दैनिक समाचार पत्र

RNI No-RAJHIN/2021/81002

मरूधर आवाज़

एक रास्ता सच्चाई की ओर...

वर्षः 1 | अंकः 245 | दैनिक प्रातः कालीन | जयपुर, शनिवार , 16 जुलाई, 2022 | पृष्ठः 6 | मूल्यः 2 रुपए मात्र

श्रीलंका में संकट के बीच रानिल विक्रमसिंघे ने अंतरिम राष्ट्रपति के तौर पर ली शपथ

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका में प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने गोटबाया राजपक्षे का उत्तराधिकारी चुने जाने तक अंतरिम राष्ट्रपति के तौर पर शुक्रवार को शपथ ग्रहण की। राजपक्षे ने दिवालिया हो चुके द्वीपीय देश की अर्थव्यवस्था को न संभाल पाने के लिए अपनी सरकार के खिलाफ प्रदर्शनों के बाद इस्तीफा दे दिया। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में बताया कि प्रधान न्यायाधीश जयंत जयसूर्या ने विक्रमसिंघे (73) को श्रीलंका के कार्यवाहक राष्ट्रपति के तौर पर शपथ दिलायी। संसद अध्यक्ष महिंदा यापा अभयवर्धने ने शुक्रवार को आधिकारिक रूप से घोषणा की कि राजपक्षे ने इस्तीफा दे दिया है। राजपक्षे ने अपने तथा अपने परिवार के खिलाफ बढ़ते जन आक्रोश के बीच देश छोड़कर चले जाने के दो दिन बाद इस्तीफा दिया। वह देश छोड़ कर पहले मालदीव और फिर वहां से सिंगापुर चले गए हैं। अभयवर्धने ने पार्टी नेताओं को बताया कि संसद नए अध्यक्ष का चुनाव करने के लिए 20 जुलाई को बैठक करेगी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति पद के लिए नामांकन 19 जुलाई को मंगाए जाएंगे। राष्ट्रपति कार्यालय में रिक्ति की घोषणा के बारे में शनिवार को संसद को आधिकारिक रूप से सूचना दी जाएगी। अध्यक्ष ने कहा कि संविधान के अनुसार, विक्रमसिंघे राष्ट्रपति के तौर पर काम करेंगे और नए राष्ट्रपति के चुनाव की संवैधानिक प्रक्रिया पूरी होने तक राष्ट्रपतिकार्यालय की शक्तियों के अनुसार दायित्वों का निर्वहन करेंगे और कामकाज संभालेंगे। राजपक्षे ने, देश के अभूतपूर्व आर्थिक संकट के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराते हुए हजारों प्रदर्शनकारियों के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास पर कब्जा जमाने के बाद शनिवार को घोषणा की थी कि वह 13 जुलाई को इस्तीफा देंगे। हालांकि, वह इस्तीफा दिए बगैर देश छोड़कर मालदीव चले गए थे। मालदीव से वह बृहस्पतिवार को सिंगापुर चले गए। गौरतलब है कि 2.2 करोड़ की आबादी वाला देश श्रीलंका सात दशकों में सबसे खराब आर्थिक संकट से जूझ रहा है, जिसके चलते लोग खाद्य पदार्थ, दवा, ईंधन और अन्य जरूरी वस्तुएं खरीदने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

जस्टिस यू.यू. ललित ने कहा- बच्चे सात बजे स्कूल जा सकते हैं, तो जज 9 बजे कोर्ट क्यों नहीं आ सकते?

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट आमतौर पर मामलों की सुनवाई सुबह 10.30 बजे शुरू करता है, लेकिन शुक्रवार को जस्टिस यू.यू. ललित एक घंटे पहले कोर्ट पहुंचें और सुबह 9.30 बजे मामले की सुनवाई शुरू की। एक मामले की सुनवाई के दौरान, न्यायमूर्ति ललित ने टिप्पणी की कि अगर बच्चे रोजाना सुबह 7 बजे स्कूल जा सकते हैं, तो न्यायाधीश और वकील सुबह 9 बजे अदालत में क्यों नहीं आ सकते। यू.यू. ललित ने कहा, %आदर्श रूप से, हमें सुबह 9 बजे आना चाहिए। मैंने हमेशा कहा है कि अगर हमारे बच्चे सुबह 7 बजे स्कूल जा सकते हैं, तो हम 9 बजे कोर्ट क्यों नहीं आ सकते?% न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की पीठ ने भी सुबह 9.30 बजे मामलों की सुनवाई शुरू की। जस्टिस ललित ने आगे कहा कि अगर अदालतें सुबह 9 बजे शुरू होती हैं और सुबह 11.30 बजे तक चलती हैं, तो आधे घंटे का ब्रेक और फिर अदालतें दोपहर 12 बजे फिर से शुरू हो सकती है। और दोपहर 2 बजे तक चलती हैं। न्यायमूर्ति ललित ने कहा, %इससे आपको शाम को और काम करने का समय मिलेगा...%। एक मामले में पीठ के समक्ष पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने मामले को एक घंटे पहले उठाने को लेकर अदालत की सराहना की। रोहतगी ने कहा कि अदालती कार्यवाही शुरू करने के लिए सुबह 9.30 बजे एक अच्छा समय है। आमतौर पर, सुप्रीम कोर्ट की बेंच सप्ताह के दिनों में सुबह 10.30 बजे शुरू होती है और दोपहर 1 बजे लंच ब्रेक होता है। और दोपहर 2 बजे सभी

श्रीगंगानगर में 43 साल का रिकॉर्ड टूटा, कई शहरों में बाढ़ के हालात

राजस्थान में भारी बारिश, सेना से मांगी मदद

जयपुर। राजस्थान में इस साल बारिश कई रिकॉर्ड तोड़ती नजर आ रही है। अब तक प्रदेश में सामान्य से 48 फीसदी अधिक बारिश हो चुकी है। मौसम केन्द्र का कहना है कि पूरे राजस्थान में मानसून एक्टिव है और आने वाले दिनों में भी प्रदेश के कई हिस्सों में भारी बारिश होने की संभावना है। बीते 24 घंटे के दौरान सबसे अधिक बरसात श्रीगंगानगर में 10 इंच (260एमएम) बरसात रिकॉर्ड की गई, जो जिले में चार दशक में होने वाली सबसे अधिक बारिश है। लगातार बरसात से शहर के हालात खराब हो गए हैं। प्रशासन ने इस चुनौती से निपटने के लिए सेना से मदद मांगी है। इसके अलावा उदयपुर, सिरोही में भी 100रू से ज्यादा बारिश हुई। लगातार बरसात के कारण कई क्षेत्रों में बाढ़ जैसी स्थिति हो गई है। वहीं, मौसम केन्द्र जयपुर ने अगले 48 घंटों में भी 22 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट दिया है।

जिला कलक्टर ने मांगी मदद

गंगानगर में गुरुवार दोपहर में शुरू हुई तेज बारिश रुक-रुककर देर रात तक जारी रही। करीब 10 घंटे में यहां

260रू बारिश रिकॉर्ड की गई। भारी बरसात के कारण शहर में जगह-जगह पानी भरा है और हालात बिगड़े हैं। यहां शहर की सड़कों पर पानी की निकासी नहीं होने के कारण मई जगह घुटनों तक पानी भर गया। कलेक्टर रूकमणी रियार ने बताया कि पानी इतना ज्यादा भर गया है कि यूआईटी और नगर परिषद के पास जो मडपम्प व अन्य संसाधन हैं वे फेल हो गए हैं। इसलिए सेना से बड़े मडपम्प और कुछ लोगों को मदद के लिए कहा है।मौसम केन्द्र से मिली रिपोर्ट के मुताबिक गंगानगर जिले में जुलाई के महीने में 18 जुलाई 1978 को गंगानगर में सर्वाधिक 108रू बारिश हुई थी, जो सबसे ज्यादा थी। इसके 43 साल बाद सबसे अधिक बारिश गुरुवार को रिकॉर्ड हुई। गंगानगर के अलावा जैसलमेर, झालावाड़, प्रतापगढ़, राजसमंद, सिरोही, उदयपुर, चित्तौड़गढ़ और अलवर में भी भारी बारिश हुई। इन जिलों में 3-5 इंच तक बरिश हुई। उदयपुर के खेरवाड़ा और सिरोही के पिंडवाड़ा में 100रू से ज्यादा बरसात हुई। सिरोही में तेज बारिश के बाद वेस्ट बनास नदी में पानी बहना शुरू हो गया। बिजली-बारिश की चेतावनी मौसम केंद्र ने आधे से अधिक राजस्थान में आने वाले दो दिन में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसमें जयपुर, नागौर, चूरू, टोंक, बूंदी, बीकानेर, भीलवाड़ा,चित्तौड़गढ, अजमेर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़, पाली, जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर,श्रीगंगानगर में आकाशीय बिजली के साथ बारिश होने की संभावना है।

शहरी पुर्नगठित जल प्रदाय योजना का शिलान्यास

बीकानेर के 13 लाख लोगों की पेयजल समस्या का होगा स्थाई समाधान : मुख्यमंत्री

बीकानेर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि शहरी पुर्नगठित जल प्रदाय योजना से बीकानेर शहर और आसपास के 32 गांवों के लगभग 13 लाख लोगों की पेयजल समस्या का स्थाई समाधान हो सकेगा। गहलोत शुक्रवार को बीकानेर के रवींद्र रंगमंच सभागार में जलप्रदाय योजना के शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह योजना बीकानेर के लिए अत्यंत लाभदायक साबित होगी। उन्होंने इसका समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा इसकी नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान के लोग पानी का मोल समझते हैं तथा इसका प्रभावी प्रबंधन करते आए हैं। उन्होंने इंदिरा गांधी नहर परियोजना को पश्चिमी राजस्थान की लाइफलाइन बताते हुए कहा कि केन्द्र सरकार ईस्टर्न केनाल परियोजना को

राष्ट्रीय परियोजना घोषित करे। इससे प्रदेश के 13 जिलों को इसका प्रत्यक्ष लाभ होगा। गहलोत ने कहा कि देश में 10 प्रतिशत भू-भाग वाले राजस्थान में सिर्फ 1 प्रतिशत सतही जल उपलब्ध है। ऐसे में इसका प्रभावी प्रबंधन बड़ी चुनौती है। इसके बावजूद राज्य सरकार द्वारा घर-घर तक पानी पहुंचाने की दिशा में प्रभावी कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रदेश के 45 लाख से अधिक परिवारों का बिजली बिल शून्य आने लगा है। राजस्थान देश का पहला राज्य है, जहां मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना से प्रत्येक परिवार को 10 लाख रूपये का निःशुल्क इलाज मिल रहा है। प्रदेश में सड़कों का जाल बिछ रहा है। लगभग 90 लाख लोगों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन मिल रही है। गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक व्यक्ति तक सुशासन पहुंचाने को संकल्पबद्ध है। सरकार के जनकल्याणकारी निर्णयां से प्रत्येक वर्ग को लाभ मिल रहा है। शहरी क्षेत्र में रोजगार के लिए इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना शुरू की जा रही है। मनरेगा के तहत 25 दिन का अतिरिक्त रोजगार का प्रावधान किया गया है, जिस पर होने वाला व्यय राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। शिक्षा मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला ने कहा कि बीकानेर शहर की वर्ष 2052 तक की पेयजल आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए मुख्यमंत्री द्वारा वर्ष 2019-20 के बजट में इस योजना की घोषणा की गई थी। योजना के मास्टर प्लान के अनुसार प्रथम चरण में 614.9 करोड़ तथा दूसरे चरण में 798 करोड़ रूपए के कार्य कराए जाएंगे। डॉ. कल्ला ने बताया कि जलप्रदाय योजना के प्रथम पैकेज के लिए 176 करोड़ रूपए के कार्यादेश जारी कर दिए गए हैं। इसके तहत चकगर्बी में 30 हजार लाख लीटर व बीछवाल में 25 हजार लाख लीटर क्षमता के रॉ वाटर जलाशय तथा दोनों स्थानों पर 300 लाख लीटर क्षमता के जल शोधन यंत्र स्थापित किए जाएंगे।

दिल्ली के अलीपुर इलाके में गिरी

5 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के अलीपुर इलाके के बकौली गांव में शुक्रवार को अचानक एक निर्माणाधीन गोदाम की दीवार ढह गई। जानकारी के अनुसार, इस दीवार के नीचे कई लोग दबे हुए हैं। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई लोगों के दबे होने की आशंका है। वहीं, दिल्ली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार अलीपुर में एक दीवार ढह गई। हादसे के बाद मौके से करीब 10 लोगों को रेस्क्यू किया गया है, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। कुछ और लोगों के फंसे होने की आशंका को लेकर मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस व दमकल विभाग के कर्मचारी पहुंचे हैं। घटनास्थल पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। मौके पर एनडीआरएफ की टीम भी पहुंची है। क्रेन व बुलडोजर की मदद से बचाव कार्य जारी है। बताया जा रहा है कि गोदाम नरेला के विधायक शरद चौहान के करीबी का है।

जम्मू कश्मीर के पुंछ में जवानों के बीच हुई झड़प में 2 शहीद, अन्य 2 जख्मी

सेना ने दिए जांच के आदेश

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में सेना के जवानों के बीच किसी बात को लेकर झड़प हो गई। इस दौरान एक जवान ने अपने साथियों पर फायरिंग कर दी। इस घटना में सेना के 2 जवान शहीद हो गए और अन्य 2 जवान जख्मी हो गए। जख्मी जवानों में फायरिंग करने वाला जवान भी शामिल है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, पुंछ के सुरनकोट स्थित 156 टेरिटोरियल आर्मी बटालियन में तड़के सुबह फायरिंग की यह घटना हुई। समाचार एजेंसी एएनआई ने सेना के एक सूत्र के हवाले से बताया कि तड़के सुबह 5 बजकर 30 मिनट पर फायरिंग की यह घटना हुई। जिसमें 2 जवान शहीद हो गए। दरअसल, पहले एक जवान के शहीद होने की खबर थी लेकिन फिर मरने वालों की संख्या बढ़कर 2 हो गई। क्योंकि एक जवान ने अपने बैरक में 3 अन्य जवानों पर फायरिंग कर दी। इसके बाद उस जवान ने अपने हथियार से खुद के पेट में भी गोली मार ली। आपको बता दें कि सेना ने फायरिंग की इस घटना को लेकर जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। मामला पुंछ के सुरनकोट स्थित 156 टेरिटोरियल आर्मी बटालियन का है। जहां पर 2 जवान शहीद हो गए। हालांकि, विस्तृत जांच के बाद ही मामला स्पष्ट होगा कि आखिर फायरिंग क्यों की गई ?

146 देशों के सर्वेक्षण में अंतिम स्थान पर

लैंगिक समानता के मामले में अफगानिस्तान विश्व का सबसे खराब देश

काबुल, एजेंसी।

अफगानिस्तान में महिलाओं की स्थिति की एक गंभीर तस्वीर का खुलासा करते हुए, विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की एक रिपोर्ट ने अफगानिस्तान को लैंगिक समानता के मामले में सबसे खराब देश के रूप में स्थान दिया है। खामा प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को डब्ल्यूईएफ द्वारा जारी ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स में अफगानिस्तान को 146 देशों के सर्वेक्षण में अंतिम स्थान पर रखा गया है। इस रिपोर्ट में चार पैरामीटर पर आंकलन किया गया है। जिसमें आर्थिक भागीदारी और अवसर, शैक्षिक प्राप्ति, स्वास्थ्य और अस्तित्व, और राजनीतिक सशक्तिकरण वर्तमान की स्थिति इसमें शामिल थे। रिपोर्ट के अनुसार, इस साल समानता में वृद्धि देखी गई क्योंकि महिलाएं 2021 की तुलना में औसतन 2 प्रतिशत अधिक कमा रही हैं जबकि पुरुष 2021 की तुलना में औसतन 1.8 प्रतिशत कम कमा रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, अट्ठाईस देशों ने इस सूचक पर 50 प्रतिशत से भी कम लिंग अंतर को दर्ज किया है। समानता का निम्नतम स्तर ईरान (16 प्रतिशत), अफगानिस्तान (18 प्रतिशत) और अल्जीरिया (18 प्रतिशत) में दर्ज किया गया। स्थानीय मीडिया ने रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा,

कुल मिलाकर, उप-सहारा अफ्रीकी और मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका में आय समानता का स्तर सबसे कम है, जो क्रमशः लगभग 23 प्रतिशत और 24 प्रतिशत है।

तालिबान के उप प्रवक्ता ने की रिपोर्ट की अवहेलना

तालिबान के उप प्रवक्ता बिलाल करीमी ने रिपोर्ट की अवहेलना करते हुए कहा, मौजूदा सरकार महिलाओं के सभी अधिकारों को इस्लामी विनियमन में मानती है। महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रही हैं क्योंकि सरकार को आवश्यकता के आधार पर महिलाओं को शामिल करना चाहिए।

पाकिस्तान विश्व का दूसरा सबसे खराब देश

समानता के मामले में पाकिस्तान विश्व का दूसरा सबसे खराब देश है। विश्व आर्थिक मंच की रिपोर्ट में पाकिस्तानी महिलाओं की यह तस्वीर सामने आई है। 146 देशों की सूची में पाकिस्तान 145 वें स्थान पर है। अन्य मापदंडों में पाकिस्तान की रैंकिंग भी देश की दयनीय स्थिति को उजागर करती है। आर्थिक भागीदारी और अवसर के मामले में देश 145वें स्थान पर है; शैक्षिक प्राप्ति में 135वां; स्वास्थ्य और उत्तरजीविता में 143वां; और राजनीतिक सशक्तिकरण में 95 वां।

पूर्ण लैंगिंक समानता किसी भी देश में नहीं

पूर्ण लैंगिंक समानता किसी देश में नहीं है। लैंगिक समानता के मामले में सबसे बेहतर स्थिति आइसलैंड की है। उसके बाद फिनलैंड, नार्वे, न्यूजीलैंड और स्वीडन आते हैं। सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले देशों में कांगो, ईरान और चाड हैं।

क्या आपके क्षेत्र की समस्या को प्रशासन द्वारा किया जा रहा है नजरअंदाज ?

अब जनता की आवाज बनेंगे हम

आपके क्षेत्र की सभी छोटी बड़ी समस्याएं जिन्हें प्रशासन द्वारा नजरअंदाज किया जा रहा है

हमें बताए नीचे दिए गए नंबर पर वॉट्सएप करे

6367718601

मरुधर आवाज दैनिक हिंदी समाचार पत्र

151 पौधे लगाकर पब्लिक हेल्थ का स्थापना दिवस मनाया

❐ मरूधर आवाज

जयपुर । सीकर रोड, हरमाड़ा, जोड़ला पावर हाउस, गायत्री नगर स्थित मनीष पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पब्लिक हेल्थ ग्रुप के स्थापना दिवस के उपलक्ष में 151 पौधे लगाकर मनाया गया । पौधारोपण कार्यक्रम अध्यक्षता विद्यालय मैनेजिंग डायरेक्टर महावीर सिंह निठारवाल, मुख्य अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता सिरोही के ललित चौहान, पब्लिक हेल्थ ग्रुप के वरिष्ठ सदस्य सुनील जैन, पब्लिक हेल्थ ग्रुप के संस्थापक/अध्यक्ष जेपी बुनकर के नेतृत्व में पौधा लगाया गया । महावीर सिंह निठारवाल के द्वारा कहा गया कि बरसात के मौसम में विद्यालय के विद्यार्थियों को पौधारोपण के अभियान से जोड़ने के लिए उन्हें एक-एक पौधा वितरण किया तथा पब्लिक हेल्थ ग्रुप द्वारा किए जा रहे हैं सामाजिक कार्यों की सराहना की । पब्लिक हेल्थ ग्रुप संस्थापक/अध्यक्ष जेपी बुनकर ने बताया कि ग्रुप 2014-15 से सामाजिक कार्य जैसे रक्तदान शिविर का आयोजन, चप्पल वितरण अभियान, कंबल वितरण अभियान, परिंडा अभियान, निशुल्क शिक्षा अभियान, अनाथ बच्चों और फुटपाथी बच्चों को शिक्षा से जो?ना, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, निशुल्क भोजन, दृष्टिबाधित बच्चों की शिक्षा में सहयोग, शराबबंदी आंदोलन, प्रतिभा सम्मान समारोह, यातायात जागरूकता कार्यक्रम, कोरोना योद्धाओ का सम्मान, संगीत प्रतियोगिता, निशुल्क पाउ व शरबत वितरण आदि छोटे -छोटे प्रकल्प के साथ निरंतर पूरी टीम के सहयोग से निस्वार्थभाव से कार्य कर रहा हैं । विद्यालय डायरेक्टर मनीष निठारवाल व प्रधानाचार्य हेमराज मंगावा ने विद्यार्थियों को अपने जन्मदिन दिवस पर एक-एक पौधा लगाने व नियमित रूप से पानी देने की शपथ दिलाई । इस मौके पर समाजसेविका कांता मेघवंशी समस्त पब्लिक हेल्थ ग्रुप की टीम मौजूद रही ।

आकाश नि:शुल्क पुस्तकालय का हुआ उद्घाटन

❐ मरूधर आवाज

मनोहरपुर। सनराइज सिटी कुम्भावाला में भामाशाहों के सहयोग के बने आकाश नि:शुल्क पुस्तकालय के भवन का 400 गज भूमि दान करने वाले भामाशाह रशीद अहमद व सरपंच प्रतिनिधि शंकर प्रजापत के द्वारा गणमान्य लोगों की उपस्थिति में उद्घाटन हुआ ।जिसमें सरपंच प्रतिनिधि ने एक हाल व शौचालय निर्माण वास्ते पांच लाख रुपए की घोषणा सरपंच की तरफ से की तथा मोके पर भामाशाहों के सहयोग से बने भवन के शीशे की राशि मोके पर ही दी ।पूर्व सरपंच अर्जुन मोहनपुरिया ने बताया कि एक कूलर गुप्तदान में आया तथा कहा कि नई पीढी को सही दिशा देने हमसब की जिम्मेदारी है एडवोकेट मुराद अहमद ने कहा कि जल्द ही सभी भामाशाहों व प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित किया जाएगा ।रशीद रंगरेज ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि हम इस पुस्तकालय में सभी बच्चों को सभी सुविधाएं नि:शुल्क उपलब्ध करवाएंगे तथा बच्चों को सही शिक्षा का महत्व जब है जब वे अपने बुजुर्गों के सपनों को साकार करेंगे कार्यक्रम में हाजी रज्जाक खान , अलादीन खान ,अहमद हुस्सेन, मोहसिन खान,सईद अहमद हमीद खान , इमरान खान,गफ्फार अली,हमीद खान पंवार, इकबाल खान,शकील अहमद व दिलजान खान उपस्थित रहे।

सीएचसी में 80 लोगों के लगी बूस्टर डोज

❐ मरूधर आवाज

मनोहरपुर। कस्बे के सीएचसी में केंद्र सरकार की ओर से 18 से 59 वर्ष आयु वर्ग के लोगो के लिए चालू की गई निःशुल्क बूस्टर डोज लगाने के लिए लोगों में ज्यादा उत्साह नहीं देखा गया कंप्यूटर ऑपरेटर राकेश बेनीवाल ने बताया कि शुक्रवार को मनोहरपुर सीएचसी में मात्र 80 लोग ही बूस्टर डोज लगाने के लिए उपस्थित हुए।

जयपुर शहर में ध्वनि प्रदूषण की गंभीर स्थिति को ध्यान में रखते हुए पूरे प्रदेश में इस पर नियंत्रण के लिए उठाएं सख्त कदम- मुख्य सचिव

❐ मरूधर आवाज

जयपुर। मुख्य सचिव श्रीमती उषा शर्मा ने कहा कि ध्वनि प्रदूषण को कैसे नियंत्रित करना है इस बारे में परिवहन विभाग, नगर निगम और प्रदूषण नियंत्रण मण्डल मिलकर प्रभावी कार्य योजना बनाएं। उन्होंने कहा कि आमजन को ध्वनि प्रदूषण से होने वाले नुकसान तथा इससे संबंधित नियमों के बारे में जागरूक किया जाए और साथ ही उनके द्वारा नियमों का सख्ती से पालन किया जाना भी सुनिश्चित किया जाये।

श्रीमती शर्मा शुक्रवार को यहाँ शासन सचिवालय में प्रदेश के विभिन्न शहरों में ध्वनि प्रदूषण कम करने के लिए किये जा रहे प्रयासों तथा इसके लिए भविष्य की कार्ययोजना के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि हाल ही केन्द्र सरकार की ओर से हुए एक सर्वे की रिपोर्ट के अनुसार मुरादाबाद के बाद जयपुर सबसे ज्यादा ध्वनि प्रदूषण वाला शहर है। उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर समस्या है, जिस पर त्वरित रूप से कार्यवाही की जानी चाहिये।

उन्होंने कहा कि शहर में विभिन्न स्थानों को औद्योगिक, वाणिज्यिक, आवासीय या शांत पेरिक्षेत्रों में वर्गीकृत किया जाना चाहिये। इसके बाद इन क्षेत्रों में किन-किन गतिविधियों पर रोक लगाई जाए यह भी तय किया जाए। श्रीमती शर्मा ने कहा कि इसके पश्चात् इस संबंध में आम जन को जागरूक किया जाना चाहिये। उन्होंने कहा कि नो हॉन्किंग जैसे अभियान चलाए जाएं तथा स्कूल और अस्पताल जैसी जगहों के आसपास निर्धारित दूरी तक साइलेंट जोन घोषित किये जाएं। श्रीमती शर्मा ने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्ती से जुर्माने का प्रावधान भी किया जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि ध्वनि प्रदूषण के नियंत्रण के लिए यातायात और पुलिस विभाग द्वारा लगातार मॉनीटरिंग व पेट्रोलिंग की जाए, ताकि लोग नियमों का पालन गंभीरता से करें। उन्होंने कहा कि ध्वनि प्रदूषण से होने वाले नुकसान के बारे में भी जनता को जागरूक करने के लिए प्रचार-प्रसार किया जाए।

इस अवसर पर वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के प्रमुख शासन सचिव श्री शिखर अग्रवाल तथा पुलिस आयुक्त श्री आनन्द कुमार श्रीवास्तव ने ध्वनि प्रदूषण की रोकथाम के लिए पूर्व में की गई कार्यवाहियों तथा इस संबंध में केन्द्र सरकार तथा राज्य सरकार द्वारा दिये गए दिशा-निर्देशों तथा मौजूदा कानूनों एवं नियमों के बारे में जानकारी दी।

बैठक में यातायात विभाग, नगर निगम तथा राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

राष्ट्रपति चुनाव की तैयारियों को दिया अंतिम रूपः मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने लिया व्यवस्थओं का जायजा

❐ मरूधर आवाज

जयपुर। मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण गुप्ता ने राष्ट्रपति चुनाव की तैयारियों को अंतिम रूप देते हुए विधानसभा परिसर स्थित मतदान स्थल का निरीक्षण किया। राष्ट्रपति चुनाव-2022 के मद्देनजर गुरूवार को मतदान अधिकरियों एवं अन्य संबंधित अधिकारियों को 18 जुलाई को होने वाले मतदान से जुडी प्रक्रिया तथा अन्य सभी तैयारियों की मुख्य निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में ट्रेनिंग भी दी गई। श्री गुप्ता ने सभी पोलिंग अधिकारियों के कार्यों, दायित्वों, पोलिंग ऑफिसर की बैठक व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, मतदान के लिए आने वाले सदस्यों के लिए प्रतीक्षा कक्ष, मतदान संबंधी निर्देशों के पोस्टर का सही स्थानों पर डिस्प्ले, मीडिया का प्रवेश, पहचान पत्र, मतदान प्रक्रिया की वीडियोग्राफी सहित अन्य सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया और निर्देश प्रदान किए। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति चुनाव के लिए 2 सहायक रिटर्निंग अधिकारी और 4 मतदान अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। साथ ही भारत निर्वाचन आयोग द्वारा एक ऑब्जर्वर भी नियुक्त किया गया है। गुप्ता ने कहा कि मतदान प्रक्रिया से जुड़े सभी अधिकारी अपने दायित्वों का भली प्रकार से निर्वहन करें। साथ ही सुरक्षित व गोपनीय मतदान का पूरा ध्यान रखें। उन्होंने बताया कि मतपेटी, मतपत्र व अन्य मतदान सामग्री को कड़ी सुरक्षा के साथ स्ट्रांग रूम में रखा गया है। स्ट्रांग रूम की सील मतदान दिवस 18 जुलाई के दिन प्रात: 9 बजे खोली जाएगी। पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी की जाएगी। उन्होंने बताया कि मतदान समाप्ति के पश्चात 18 जुलाई को ही अधिकृत अधिकारी मतयुक्त मतपेटी और अन्य मतदान सामग्री को हवाई मार्ग द्वारा नई दिल्ली ले जाकर राज्यसभा सचिवालय के रिटर्निंग ऑफिसर को जमा कराएंगे।

इस अवसर पर विशेषाधिकारी निर्वाचन विभाग श्री सुरेश चंद्र एवं अन्य अधिकारियों ने पोलिंग अधिकारियों, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों, सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों को मतदान प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक जानकारी दी।बैठक में सहायक रिटर्निंग अधिकारी डॉ. जोगाराम, शासन सचिव स्वायत शासन विभाग, अतिरिक्त निदेशक सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग श्री अरूण जोशी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सदभावना मैच में डीपीसी क्रिकेट क्लब विजयी

❐ मरूधर आवाज

मनोहरपुर। कस्बे के प्रतापपुरा क्रिकेट खेल मैदान में शुक्रवार को युवा प्रतिभाओं को निखारने के लिए सद्भावना क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया इसके मुख्य अतिथि भामाशाह बजरंग निठारवाल रहे आयोजक जयराम गुर्जर ने बताया कि प्रतियोगिता के दौरान मैच डीपीसी क्रिकेट क्लब व कृष्णा क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया जिसमें डीपीसी क्रिकेट क्लब 8 विकेट से विजेता रही विजेता टीम को मुख्य अतिथि ने ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया । मैन ऑफ द मैच संजय मीणा रहे गौरतलब है कि आयोजक जयराम गुर्जर अंडर 17 में राष्ट्रीय स्तर पर खेलकर क्षेत्र की प्रतिभाओं को निखारने का कार्य कर रहे हैं उन्होंने प्रतापपुरा में निजी खर्च से ग्राउंड तैयार किया है और निशुल्क खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन कर क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को आगे का प्रयास कर रहे हैं मुख्य अतिथि भामाशाह बजरंग लाल निठारवाल ने कहा कि समय समय पर खेल प्रतियोगिताएं होने से प्रतिभाओं को आगे आने का अवसर मिलता है उन्होंने ऐसे आयोजनों में हर संभव मदद देने को कहा इस दौरान राकेश सैनी, राजेश गुर्जर, कमलेश गुर्जर, महिपाल सिंह गुर्जर, जगदीश प्रसाद, रामअवतार असवाल सहित कई लोग मौजूद रहे।

कॉलेज शिक्षा में भी शुरू हो शाला दर्पण जैसा पोर्टल -मुख्य सचिव

❐ मरूधर आवाज

जयपुर। मुख्य सचिव श्रीमती उषा शर्मा ने उच्च शिक्षा विभाग में पारदर्शिता व जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए स्कूली शिक्षा में शुरू किए गए शालादर्पण पोर्टल की तर्ज पर पोर्टल विकसित करने के निर्देश दिए है। श्रीमती शर्मा शुक्रवार को शासन सचिवालय स्थित कक्ष में उच्च शिक्षा विभाग से संबंधित बजट घोषणाओं की क्रियान्विति की समीक्षा कर रही थी।

श्रीमती शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में गुणवत्ता युक्त उच्च शिक्षा का वातावरण तैयार करने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। प्रदेश के विद्यार्थियों को अपने निकटतम स्थान पर उच्च शिक्षा मिल सके, इसके लिए विगत बजट घोषणाओं में बड़ी संख्या में नए महाविद्यालय खोले गए हैं। इन महाविद्यालयों के भवनों के निर्माण समयबद्ध तरीके से पूर्ण किया जाए। साथ ही पूर्व में चल रहे ऐसे कॉलेज जिनके भवन नहीं बने थे उनका भी भवन निर्माण जल्द से जल्द सुनिश्चित किया जाए। श्रीमती शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विशेषज्ञों की मदद से बेहतर कार्ययोजना बना कर जयपुर स्थित राजस्थान स्कूल ऑफ ऑर्ट्स स्कूल को विकसित किया जाए। अधिकारियों ने मुख्य सचिव को अवगत कराया कि यहां आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु 5 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया है, इसमें से 2.21 करोड़ रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की दी गई है। साथ ही सहायक आचार्य के पदों पर भर्ती करने हेतु अभ्यर्थना अगस्त माह में राजस्थान लोक सेवा आयोग को भेज दी जाएगी।

मुख्य सचिव ने जयपुर के जवाहर लाल नेहरू मार्ग पर स्थित विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं को समन्वित कर 400 करोड़ रुपये की लागत से एजुकेशन हब विकसित किए जाने के कार्य को गति दी जाए। इससे छात्रों को उत्कृष्ट शिक्षा का वातावरण मिलेगा।

बैठक में बताया गया कि राज्य सरकार की बजट घोषणा के अनुसार 9 ऐसे उच्च माध्यमिक विद्यालयों को कॉलेज में क्रमोन्नत कर दिया गया है जहां 11 वीं एवं 12 वीं कक्षा में 500 से अधिक छात्राएं अध्ययनरत थी। बैठक में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के सचिव श्री भवानी सिंह देथा एवे आयुक्त कॉलेज शिक्षा श्रीमती शुचि त्यागी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थें।

श्मशान व कब्रिस्तान के लिए भूमि आवंटन के प्रस्तावों को शीघ्र पूरा करें - राजस्व मंत्री

❐ मरूधर आवाज

जयपुर। राजस्व मंत्री श्री रामलाल जाट ने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकारी जमीन में से श्मशान तथा कब्रिस्तान के लिए जमीन का आवंटन करने के प्रस्तावों को बिना किसी कारण लंबित नहीं रखें और जमीन आवंटित कर आमजन को राहत प्रदान करें। श्री जाट शुक्रवार को राजसंमद में राजस्व अधिकारियों की बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार राजस्व से संबंधित समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रक्रिया का सरलीकरण करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही हैं। सरकार की मंशा है कि जमीन जायदाद के मामलों के लिए किसी भी ग्रामीण को अनावश्यक सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं काटने पड़े। बैठक में राजस्व मंत्री ने प्रशासन गांवों के संग तथा प्रशासन शहरों के संग अभियान के तहत नामांतरण, शुद्धीकरण गैर खातेदारी से खातेदारी, नियमन आदि से संबंधित बकाया प्रकरणों को समय पर निस्तारित करने के निर्देश दिए। बैठक में भीम विधायक श्री सुदर्शन सिंह रावत ने कहा कि ग्राम पंचायत के पटवारियों का पटवार भवन में एक निर्धारित समय में उपस्थित होना सुनिश्चित करावे ताकि आमजन के राजस्व से संबंधित समस्याओं का समाधान समय पर हो सके और शिविर में प्राप्त प्रकरणों का वहीं पर समाधान हो सके । इसी प्रकार बैठक में विधायक दीसि माहेश्वरी ने शहरी क्षेत्र के पेराफेरी में आ रही जमीनों के पंजीकरण के लिए जमा किए जा रहे शुल्क का पैसा इसी क्षेत्रों में विकास के लिए लगाए जाने की मांग की। इसके अलावा बैठक में राजसमंद शहर में पशु चिकित्सालय की जमीन से अतिक्रमण हटाने, आबादी भूमि के नियमानुसार पट्टे देने, रास्ता खुलवाने संबंधित प्रकरणों आदि से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई तथा नियमानुसार समाधान करने के निर्देश प्रदान किए गए। जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना ने बताया कि पटवारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वह प्रतिदिन लंच समय से पूर्व कार्यालय में उपलब्ध रहें तथा उसके बाद सीमा ज्ञान तथा अन्य कार्य के लिए फील्ड में जाएं। बैठक में आईटीआई खमनोर के लिए भूमि आवंटन, दुग्ध उत्पादन समिति के लिए जमीन का आवंटन, सिवाय चक में आबादी बस चुकी है तो उसका नियमन करने, राजस्व के पुराने प्रकरणों को प्राथमिकता से निस्तारित करने, 91 में नियमन करने, अस्थाई बा?ी पर हो चुके पक्के निर्माण को नियमानुसार नियमन करने तथा जर्जर अवस्था में हो चुके पटवार भवनों की मरम्मत करवाने सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई और राजस्व मंत्री ने इस संबंध में सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि इससे संबंधित प्रकरणों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की शिथिलता नहीं बरतें । इस अवसर पर राजस्व मंत्री ने विभिन्न व्यक्तियों द्वारा राजस्व से संबंधित की गई शिकायतों के निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए तथा मंत्री ने सभी उपखंड अधिकारियों तथा तहसीलदारों को निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से कोर्ट में बैठे तथा प्रकरणों का निस्तारण करें। बैठक में स्थानीय जनप्रतिनिधि संबंधित अधिकारीगण उपस्थित थे।

रसोई गैस व पेट्रोल डीजल की कीमतें कम करने की मांग

रसोई गैस और पेट्रोल डीजल की बढ़ती कीमतों के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

❐ मरूधर आवाज

शाहपुरा। रसोई गैस सिलेंडरों व पेट्रोल डीजल की कीमतों में पिछले बार-बार हुई वृद्धि को लेकर शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को शहर के पुराना दिल्ली रोड पर गैस सिलेंडर को सिर पर रखकर व केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया शहर के पुराना दिल्ली रोड पर कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग के विधानसभा अध्यक्ष राजेश मंडोवरा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने गैस की व पेट्रोल डीजल की कीमतों में हुई वृद्धि को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध जताया अध्यक्ष राजेश मंडोवरा, पूर्व प्रधान शंभू दयाल लांबा, कांग्रेस सेवा दल के नगर अध्यक्ष मोइनुद्दीन लोहार,कांग्रेस के वार्ड अध्यक्ष इरफान मोहम्मद मणियार,कांग्रेसी नेता इमामुद्दीन लोहार, युवा नेता ओम प्रकाश सैनी कांग्रेस के नगर महासचिव सदरु शाह, अशोक धानका व रमेश नायक ने कहा कि रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में लगातार बार-बार वृद्धि होने से महंगाई चरम सीमा पर पहुंच गई है। नगर उपाध्यक्ष पवन कुमार शर्मा, कांग्रेस के वार्ड अध्यक्ष सीताराम मेहरा, मंच के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जोहरी लाल चावला, मनीष कुमार सैनी व मुकेश कुमार नैनावत ने कहा कि गैस सिलेंडर महंगे होने से इसका असर रोजमर्रा के सामान और अन्य उत्पादों की कीमतों पर भी देखने को मिल रहा है गरीब के घर वापसी लकड़ियों का ईंधन में लिया जा रहा है जिससे प्रदूषण बढ़ रहा है और महिलाओं और पुरुषों की उम्र भी कम होती जा रही है अत: सरकार को तुरंत प्रभाव से रसोई गैस सिलेंडर की व पेट्रोल डीजल की कीमतों को कम करने की मांग की इस दौरान किशोर सिसोदिया, अमरचंद,राकेश धानका, विक्रम नायक, गोलू मंडोवरा सहित कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

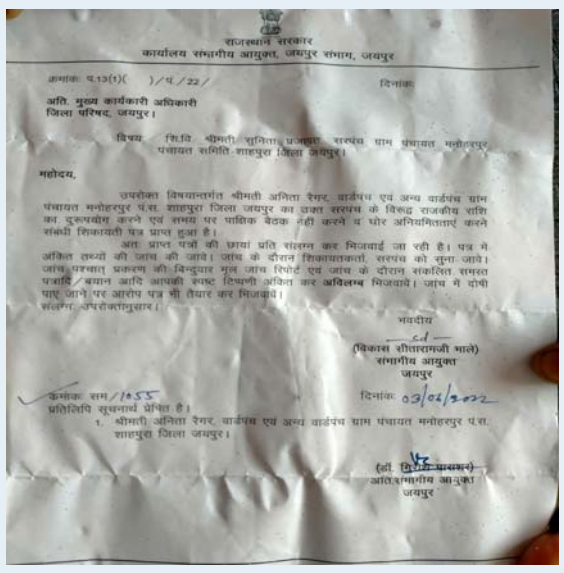

मनोहरपुर सरपंच के खिलाफ जांच करने के दिए निर्देश

संभागीय आयुक्त ने एसीईओ को पत्र लिखकर दिए जांच करने के निर्देश

❐ मरूधर आवाज

मनोहरपुर। संभागीय आयुक्त जयपुर संभाग ने एसीईओ जयपुर को पत्र लिखकर मनोहरपुर सरपंच के खिलाफ जांच करने के निर्देश दिए हैं पत्र में संभागीय आयुक्त विकास सीताराम भाले ने एसीईओ जयपुर को निर्देश दिए हैं की अनीता रेगर सहित वार्ड पंच ने मनोहरपुर सरपंच के खिलाफ राजकीय राशि का दुरुपयोग करने एवं समय पर पाक्षिक बैठक नहीं करने, घोर अनियमितता करने संबंधी शिकायतें पत्र की विधिवत जांच की जाए इस दौरान शिकायतकर्ता एवं सरपंच सुनीता प्रजापत को सुना जाए जांच पश्चात प्रकरण के बिंदुवार मूल जांच रिपोर्ट एवं जांच के दौरान समस्त पत्रादि एकत्र देने की बात की है।

सड़क निर्माण, रोड़ लाइट और नाली निर्माण के लिए ज्ञापन दिया

❐ मरूधर आवाज

बाली। आज राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के पाली जिला अध्यक्ष श्री बाबुलाल जी चौधरी के मार्गदर्शन में डुंगरली गाँव के वार्ड सं. 8 में रामदेवजी मंदिर के पीछे से लेकर नदी तक सड़क निर्माण,रोड लाइट और नाली निर्माण कार्य करवाने के लिये बाली पंचायत समिति कार्यालय पर जाकर के विकास अधिकारी को ज्ञापन दिया गया। बाली पंचायत समिति कार्यालय पर ज्ञापन देने के लिए डुंगरली गाँव से छगन जणवा, भूराराम, वजाराम चौधरी, डिम्पल, रबी देवी, सीता देवी, टीपू देवी, तीजो बाई, ब्लॉक अध्यक्ष चिमन सीरवी, निजी सचिव हितेश राठौड सहित स्थानीय कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

फुले आरक्षण संघर्ष समिति में शेखावाटी से कई लोगों को मिली अहम जिम्मेदारी

लक्ष्मणगढ के युवा पत्रकार राघव पंवार बने फुले आरक्षण संघर्ष समिति के प्रदेश सह संयोजक

❐ मरूधर आवाज

लक्ष्मणगढ। फुले आरक्षण संघर्ष समिति के प्रदेश संयोजक मुरारी लाल सिंह, सह संयोजक बासुदेव कुशवाहा, मुख्य सचिव बदन सिंह कुशवाहा, सम्राट अशोक सेना प्रदेश अध्यक्ष शैलेंद्र कुशवाहा, दशरथ कुशवाहा वेरावली की मौजूदगी में बैठक कर सर्वसम्मति से फुले आरक्षण संघर्ष समिति में विस्तार किया गया। फुले आरक्षण संघर्ष समिति के प्रदेश सह संयोजक पद पर लक्ष्मणगढ के युवा पत्रकार राघव पंवार और शेखावाटी संयोजक श्री महेंद्र शास्त्री बगड़ को नियुक्त किया गया है। राजकुमार जी सांखला चुरू को फुले आरक्षण संघर्ष समिति शेखावाटी संभाग का महासचिव, दिनेश सैनी कायस्थपूरा को शेखावाटी संभाग का सचिव और मनीता तंवर जी को प्रदेश महासचिव फुले आरक्षण संघर्ष समिति महिला मोर्चा, श्री गजानंद गौ? को सम्राट अशोक सेना जिला अध्यक्ष चूरु, महेश जी सैनी को अशोक सेना शेखावाटी क्षेत्र का संभाग अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

मुरारी लाल सैनी संयोजक फुले आरक्षण संघर्ष समिति प्रदेश राजस्थान मोबाइल नंबर 9887239502

छुट्टन लाल सैनी संरक्षक फुले आरक्षण संघर्ष समिति राजस्थान मोबाइल नंबर 9314519432

बासुदेव प्रसाद कुशवाह सह संयोजक फुले आरक्षण संघर्ष समिति प्रदेश राजस्थान मोबाइल नंबर 9982774200

बदन सिंह कुशवाह मुख्यसचिव फुलेआरक्षण संघर्ष समिति प्रदेश राजस्थान मोबाइल नंबर 9887556967

रघुवीर सिंह सह सचिव फुले आरक्षण संघर्ष समिति प्रदेश राजस्थान मोबाइल नंबर 9414034061

दीपचंद सैनी सह सचिव फुले आरक्षण संघर्ष समिति प्रदेश राजस्थान मोबाइल नंबर 7877245446

शैलेंद्र सिंह कुशवाहा प्रदेश अध्यक्ष चक्रवर्ती सम्राट अशोक सेना मोबाइल नंबर 6375556392

जिला कलक्टर ने चारागाह विकास कार्य का किया निरीक्षण

❐ मरूधर आवाज

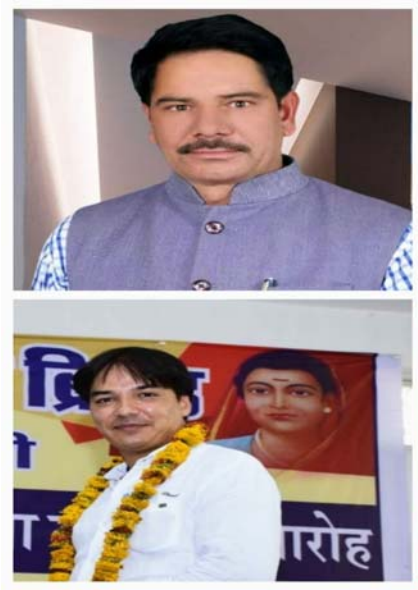

जालोर आहोर। जिला कलक्टर निशांत जैन ने आहोर पंचायत समिति में बांकली ग्राम पंचायत के सेलड़ी गांव में राजीव गांधी जल संचय योजना के तहत आईडब्ल्यूएमपी-24 जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग द्वारा करवाये गये चारागृह विकास एवं फलदार पौधारोपण कार्य, टांका निर्माण कार्य, एनीकट निर्माण कार्य एवं फील्ड बण्ड कार्यों का निरीक्षण किया।

जिला कलक्टर निशांत जैन ने चारागाह विकास के लिए हुए पौधारोपण कार्य की सराहना करते हुए पंचायत से इस कार्य को मॉडल मानते हुए उद्यान विकास में प्रस्तावित कर महात्मा गांधी नरेगा में ट्रेक निर्माण करवाने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर निशांत जैन व जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजय कुमार वासु द्वारा वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर वाटरशेड के अधीक्षण अभियंता अरूण कुमार आमेटा, सहायक अभियंता भंवरलाल सोलंकी, कनिष्ठ अभियंता सतनाम सिंह, जलग्रहण उप समिति के सचिव नेनाराम मेघवाल, विक्रम पटेल व विक्रमसिंह सेलडी उपस्थित रहे।

जिला क्रीड़ा परिषद की बैठक आयोजित

❐ मरूधर आवाज

जालोर। जिला क्रीडा परिषद के अध्यक्ष व जिला कलक्टर निशांत जैन की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला क्रीड़ा परिषद की साधारण बैठक सम्पन्न हुई। जिला कलक्टर निशान्त जैन ने मुख्यमंत्री बजट घोषणा में प्रत्येक ब्लॉक में मेजर ध्यानचंद स्टेडियम बनाने की योजना की जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक ब्लॉक के लिए स्टेडियम बनाने के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि नवीन स्टेडियम बनाकर खेल सुविधाओं को विकास किया जाए जिससे आमजन की खेलों के प्रति रूझान ब?ेगा एवं जिले में अच्छे खिला?ी तैयार होंगे। राजीव गांधी ग्रामीण ओलम्पिक खेलों का आयोजन 29 अगस्त से 2 अक्टूबर तक ग्राम पंचायत, ब्लॉक, जिला व राज्य स्तर पर करवाना प्रस्तावित है इसके लिए आमजन की जागरूकता के लिए जिले में 19 व 20 जुलाई को मशाल यात्रा आएगी जिसका प्रत्येक ब्लॉक में स्वागत किया जाए।

जिला क्री?ा परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. शमसेर अली ने जिले में खेल सुविधाओं को विकसित करने के लिए भामाशाहों, विधायक व सांसद मद से करवाने के लिए प्रयास करने की बात कही। मनोनीत सदस्यों द्वारा शूटिंग रायफल, बॉक्सिंग,जूडो व वुशू खेल को विकसित करने के लिए खेल सामग्री सुलभ करवाने के सुझाव दिये। जिला क्री?ा परिषद की बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर राजेन्द्र अग्रवाल, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक चुन्नीलाल परिहार, रानीवा?ा प्रधान राघवेन्द्र सिंह, जिला क्री?ा परिषद के कोषाध्यक्ष रामाराम चौधरी, योगेन्द्रसिंह कुम्पावत, छगन आर्य, अजीतसिंह देता, दलपतसिंह आर्य, धीरज गुर्जर, नगर परिषद के अधिशाषी अभियंता विनय बोडा, प्रदीप भट्ट, महेन्द्र सोनगरा, विकास मांजू, सुष्मिता गर्ग, कृष्ण राजपुरोहित, सुल्तान खान, सरोज चौधरी व गणपत ढाका मौजूद रहे।

मशाल यात्रा का रूट प्लान

राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में व्यापक स्तर पर खेलों का वातावरण तैयार करने के लिए राजीव गांधी ग्रामीण ओलम्पिक का आयोजन 29 अगस्त से 2 अक्टूबर तक किया जायेगा। इस क्रम में प्रदेश के सभी जिलों में मशाल यात्रा निकाली जा रही है। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने राजीव गांधी ग्रामीण ओलम्पिक की मशाल को 29 मई को सवाई मानसिंह स्टेडियम जयपुर से रवाना किया था। यह मशाल यात्रा प्रदेश के सभी जिलों में जाएगी। 19 जुलाई को मशाल यात्रा जालोर जिले में प्रवेश करेंगी। जिला मुख्यालय से 19 जुलाई को प्रातः 7 बजे आहोर, 8.30 बजे जालोर, प्रातः 9.30 बजे सायला, प्रातः 11.30 बजे बागो?ा, दोपहर 2.30 बजे चितलवाना, सायं 4.15 बजे सांचौर पहुंचेंगी जहाँ रात्रि विश्राम होगा। मशाल यात्रा 20 जुलाई को प्रातः 10 बजे सरनाउ, प्रातः 12 बजे रानीवा?ा, दोपहर 2 बजे भीनमाल से सायं 4 बजे जसवन्पुरा ब्लॉक मुख्यालय पर मशाल यात्रा पहुंचेगी।

किसानों को फसल बीमा क्लैम नहीं मिला और बजरी शुरू नहीं की तो करेंगे बड़ा आंदोलनः- बेनीवाल

बजरी व जल जीवन मिशन योजना में ठेकेदारों की सत्ताधारी नेताओं की मिलीभगत से बड़ा भ्रष्टाचार

संवाददाता मेहरा राम पलिवाल

❐ मरूधर आवाज

बाड़मेर। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी प्रदेश महामंत्री उम्मेदाराम बेनीवाल ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए राज्य व केन्द्र सरकार के साथ बीजेपी-कांग्रेस नेताओं को जमकर घेरा,किसानों को पिछले चार सालों से क्लैम नहीं मिलने,बजरी ठेकेदार की मनमानी व गुण्डागर्दी,खरीफ फसल ऋण की ब्याज माफी, चिकित्सा,शिक्षा,पानी, बिजली समस्याओं को लेकर दोनों सरकारों को जिम्मेदार ठहराया। बेनीवाल ने कहा पिछले चार साल से बाड़मेर जिले में किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में की बीमा कंपनियाँ अकालग्रस्त घोषित होने पर क्लैम देने में आनाकानी कर रही है क्योंकि बड़े स्तर का लगभग पाँच हजार करोड़ का घोटाला है जिसमें दोनों सरकार के मंत्री व नेताओं की मिलीभगत हैं,इसलिए बीमा कंपनियाँ हर साल बढ़ती महंगाई में बीमीत राशि भी घटा रही है। और राजस्थान सरकार ने किसानों के साथ धोखा कर ख़रीफ़ फसल ऋण की ब्याज माफ़ी के बाद भी ब्याज की वसूली की गई। बेनीवाल ने कहा बजरी शुरू होने पर भी ठेकेदार द्वारा बंद रखना राज्य सरकार के नेताओं की मिलीभगत से बड़ा घोटाला है जिस कारण बाड़मेर ज़िले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के एक साल बाद भी बजरी शुरू नहीं की, बजरी ठेकेदार बजरी माफिया बनकर गुण्डागर्दी का आतंक मचा रखा है स्थानीय लोगों की गाड़ियों की तोड़फोड़ के साथ मशीनरी में नुकसान पहुँचाया जा रहा है और खुलेआम फायरिंग कर गोलियाँ बरसाने के साथ बर्बरतापूर्ण मारपीट की घटनाएँ हो रही हैं लेकिन पुलिस व प्रशासन बड़े स्तर के भ्रष्टाचार के कारण मूकदर्शक बनकर बेबस होकर खड़ा हैं यदि ये माँगे नहीं मानी गईं तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

सरकारें मूलभूत सुविधाएँ नहीं दे पाई सिर्फ चुनावी खोखले वादे करती हैं—

उम्मेदाराम बेनीवाल ने कहा ग्रामीण क्षेत्रों में पानी, बिजली की बड़ी समस्या हैं आमजनता को सुविधाएँ नहीं मिल पा रही हैं जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत बड़ा घोटाला हो रहा है जिसमें बिना काम किए बड़ा बिल उठाया जाता है गाँवों तक पानी नहीं पहुँच पाया घर-घर पानी कैसे पहुँचेगा कई जगह बजट का दुरुपयोग किया जाता है सरकार के नेता ठेकेदारों से घोटाला करने में कमीशन लेते हैं। अस्पतालों, स्कूलों, कॉलेजों में दयनीय स्थिति हैं हालात बहुत खराब है जहाँ स्वास्थ्य केन्द्रों में डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ़ नहीं पचास प्रतिशत पद रिक्त पड़े हैं और न ही दवाइयाँ है जाँच उपकरण उपलब्ध होने व न होने पर भी लोगों को जाँचें बाहर से महँगी दर में करवानी पड़ रही है। और स्कूलों व कॉलेजों में पद रिक्तता का उदाहरण देते हुए कहा बायतु विधानसभा क्षेत्र में हमेशा स्कूलों में शिक्षकों की कमी को लेकर तालाबंदी की जा रही हैं, स्कूलों को सरकार व नेताओं ने वाहवाही लूटने के लिए क्रमोन्नत कर दिया लेकिन उनमें 70त्न पद रिक्त पड़े है, जो शिक्षक थे उनकी पिछली स्थानांतरण सूचियों में बाहर के शिक्षकों का भ्रष्टाचार करके अन्यत्र जिलों में स्थानांतरण कर दिया गाया। बायतु पीजी व पाटोदी के दोनों महाविद्यालयों में 70-80त्न पद रिक्त पड़े हैं शिक्षा में सरकार बिल्कुल फेलियर है सत्ताधारी नेता सिर्फ झूठी वाहवाही लूटने में मस्त हैं। विद्युत विभाग द्वारा आमजनता से बड़ी लूट की जा रही है विद्युत लाइन व ट्रांसफॉर्मर सही करने के एवज खुलेआम पैसे लूटे जा रहे बहुत बड़ा भ्रष्टाचार व्याप्त है क्योंकि अधिकारियों से भी वसूली होती है। बेनीवाल ने आगामी दिनों में बड़े आंदोलन की चेतावनी दी।

मुख्यमंत्री चिरंजीवी सड़क सुरक्षा योजनाः अब सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को मिलेगा निजी अस्पतालों में भी 72 घंटों तक निःशुल्क आपातकालीन उपचार

❐ मरूधर आवाज

जालोर। सड़क हादसों में घायल व्यक्ति को अब निजी अस्पतालों में भी 72 घंटे तक निःशुल्क आपातकालीन उपचार मिल सकेगा। चाहे घायल व्यक्ति राजस्थान या अन्य प्रदेश का निवासी हो। राज्य सरकार ने स?क हादसों में होने वाले मृत्यु को कम करने तथा घायलों को तुरन्त उपचार मिल सके, इसके लिए मुख्यमंत्री चिरंजीवी स?क सुरक्षा योजना शुरू की है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गजेन्द्र सिंह देवल ने बताया कि योजना के तहत घायल व्यक्ति का इलाज केवल वे ही निजी अस्पताल कर सकेंगे, जो मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में शामिल होंगे एवं योजना में शामिल सरकारी अस्पतालों में यह व्यवस्था लागू होगी। इसके लिए घायलों को कई पहचान या पात्रता नहीं बतानी प?ेगी। राज्य सरकार द्वारा इस योजना को लेकर निर्देश जारी किए गए हैं, जिसके अनुसार घायल व्यक्ति का बिना किसी पहचान एवं पात्रता के योजना में शामिल प्रदेश के निजी व सरकारी अस्पतालों में इलाज किया जाएगा।

योजना में शामिल किये गये 182 पैकेज

इस योजना में प्रदेश के साथ ही अन्य राज्यों के घायलों का इलाज भी अस्पतालों को करना पडेगा, जो मरीज मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत पात्र नहीं हैं उन्हें दुर्घटना के प्रथम 72 घण्टों के दौरान संबंधित अस्पतालो में सामान्य चिकित्सा के साथ विशेषज्ञ चिकित्सकों के इलाज की सुविधा प्राप्त हो सकेगी। योजना में अब 182 पैकेज शामिल किए गए हैं जिनमें दुर्घटना घायल व्यक्तियों का उपचार किया जा सकेगा। इन पैकेजों को दो श्रेणियों में बांटा गया हैं जिसमें पहली श्रेणी में एमबीबीएस चिकित्सक द्वारा उपचार और दूसरी श्रेणी में विशेषज्ञ चिकित्सक द्वारा उपचार का पैकेज बुक किए जा सकेंगे। राज्य सरकार द्वारा जारी आदेश के अनुसार घायल व्यक्ति की पहले जान बचाने लिए अस्पतालों को पहले मरीज का इलाज करना होगा। इसके बाद पुलिस को आगे की कार्रवाई के लिए सूचना देनी होगी। दुर्घटना में घायल व्यक्ति के उपचार पर होने वाले खर्च का भुगतान संबंधित अस्पताल को राजस्थान स्टेट हैल्थ एश्योरेंस एजेंसी द्वारा किया जाएगा, लेकिन इस खर्च की राशि का पुनर्भरण परिवहन एवं स?क सुरक्षा विभाग द्वारा त्रैमासिक आधार पर किया जाएगा।

चोरी का माल खरीदने वाला हिण्डौन का सुनार गिरफ्तार

हिण्डौन सिटी। चोरी का माल खरीदने वाले हिण्डौन के एक सुनार के साथ बालघाट थाना पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक टोडाभीम का भी सुनार भी शामिल है। इन दोनों सुनारों ने मिलकर मोहनपुरा गांव में हुई चोरी के मामले में गिरफ्तार किए गए बाबरिया गिरोह के आरोपितों से चोरी का माल खरीदा था। बालघाट थाने की पुलिस इन दोनों सुनारों से सख्ती से पूछताछ कर रही है। बालघाट के थानाप्रभारी धर्मसिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक नारायण टोगस, एएसपी कृष्ण चंद्र यादव और डीएसपी फूलचंद के निर्देशानुसार बालघाट थाना क्षेत्र में चोरी की वारदातों को अंजाम देने वालों के खिलाफ सघन अभियान चलाया हुआ है। इसी अभियान के तहत बालघाट थाने की पुलिस ने गत 3 जुलाई को मोहनपुर के 4 घरों में एक ही रात को हुई चोरी की घटना के मामले को गंभीरता से लेते हुए बावरिया गिरोह के चार लोगों को गिरफ्तार किया था। इनमें पाडला डेरा, जोधपुर करीरी निवासी धारा उर्फ केरया पुत्र गोकुल बरगी, बदले उर्फ राजू पुत्र गोकुल बरगी और नथोले का पुरा सूरौठ के मानसिंह उर्फ दलया पुत्र सीताराम बरगी तथा मोरगड़ी खेरागढ़ के राजपाल पुत्र पूरन बरगी को गिरफ्तार किया था। इन बावरिया गिरोह के चारों आरोपितों से सख्ती से पूछताछ की गई तो सामने आया कि चोरों ने चोरी का माल हिण्डौन के सुनार झारेडा रोड की मधुबन कॉलोनी निवासी रीतेश सोनी उर्फ टिंकल सोनी (40) पुत्र भगवतीचरण सोनी और टोडाभीम के खांदडा पाड़ा निवासी मदनमोहन सोनी (42) पुत्र रामदयाल सोनी को बेचा था।

सम्पादकीय

अपना डूबता देश छोड़ गए राष्ट्रपति

गोटबाया के देश छोड़ने की खबर जैसे ही फैली, श्रीलंका के नौजवान प्रदर्शनकारी भड़क गए। वे मार्च से ही गोटबाया के पद छोड़ने की मांग के साथ राष्ट्रपति निवास के सामने धरना दिए बैठे थे। सत्ता के खिलाफ यह आक्रोश सिर्फ प्रदर्शनकारियों तक सीमित नहीं है, श्रीलंका की आम जनता भी महीनों से आर्थिक मुश्किलों से जूझ रही है। यह असंभव तो लगता है, पर श्रीलंका की सरकार ने, जो राजपक्षे परिवार का ही विस्तार थी, देश की अर्थव्यवस्था को इस कदर चोट पहुंचाई कि अपनी नियुक्ति के चंद दिनों बाद ही मई में प्रधानमंत्री रनिल विक्रमसिंघे को संसद में यह मानना पड़ा कि अर्थव्यवस्था तहस-नहस हो गई है और सरकार का दिवाला निकल गया है। महीनों से सरकार के पास विदेशी मुद्रा के अभाव के कारण देश में ऊर्जा, खाद्यान्न, यहां तक कि दवाइयों तक का आयात असंभव हो गया था। निचले व मध्य वर्ग ने अर्थव्यवस्था के नष्ट होने की मार सही, जिसने इस मांग को जन्म दिया कि न सिर्फ राष्ट्रपति अपना पद छोड़ें, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति पर राजपक्षे परिवार का प्रभाव खत्म हो। वाकई, आधुनिक इतिहास में शायद ही किसी लोकतंत्र में परिवारवाद का ऐसा उदाहरण दिखता है। यहां एक भाई राष्ट्रपति, दूसरा प्रधानमंत्री, तो दो अन्य भाई मंत्रिमंडल के अहम सदस्य थे। इस कारण सरकार के हर अंग पर राजपक्षे परिवार का ही नियंत्रण था। दक्षिण एशिया में श्रीलंका की गिनती एक सफल, संपन्न देश में होती रही है, लेकिन राजपक्षे परिवार की गैर-जिम्मेदारी की वजह से वह आज इस स्थिति में आ पहुंचा है कि न जनता के पास ईंधन है, न पर्याप्त खाद्यान्न और न दवाइयां। बेशक, श्रीलंका की अर्थव्यवस्था पर्यटन पर निर्भर थी और कुछ कोरोना महामारी ने और कुछ उससे पूर्व की आतंकी घटनाओं ने इसे प्रभावित किया, पर राजपक्षे परिवार की नीतियों ने देश का काफी नुकसान किया है। यहां तक कि रासायनिक खाद का निर्यात बंद करके सरकार ने खेती-किसानी की भी कमर तोड़ दी। प्रदर्शनकारी मूलत: नौजवान हैं, जिनमें से ज्यादातर संख्या विद्यार्थियों की है। सिंहली, तमिल, मुसलमान, सभी तबके के लोग इसमें शामिल हैं। हालांकि, मौजूदा राजनीतिक समस्या का कोई संबंध यहां की अंतर-जातीय रिश्तों से नहीं है, बल्कि यह विशेषकर बहुसंख्यक सिंहली जाति का अपने नेताओं से नाराजगी से जुड़ा मसला है। उल्लेखनीय है कि पूर्व राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे के नेतृत्व में श्रीलंका की सरकार और सेना ने 2009 में तमिल टाइगर ईलम को कुचल दिया था। इस कारण महिंदा और उनके भाई गोटबाया (तब रक्षा सचिव थे) सिंहली जाति के हीरो बन गए थे। 2019 में गोटबाया ने शानदार तरीके से राष्ट्रपति चुनाव जीता भी। तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि एक दिन उनको यूं देश छोड़कर भागना होगा। इस घटनाक्रम का सबक यही है कि नेता चाहे कितना भी बड़ा हो, अगर उसने देश की अर्थव्यवस्था को नष्ट किया, तो जनता उसे बर्दाश्त नहीं करती। फिलहाल यह कहना मुश्किल है कि श्रीलंका की राजनीति कौन सी करवट लेगी? लगता यही है कि विक्रमसिंघे और राजनीतिक वर्ग के कुछ सदस्यों ने तय किया है कि कानून-व्यवस्था को फिर से स्थापित करना चाहिए, पर प्रदर्शनकारी शायद ही आसानी से घर लौटने को तैयार होंगे। उन्होंने सुरक्षा बलों के प्रयासों के बावजूद प्रधानमंत्री कार्यालय व सरकारी टेलीविजन चैनल पर कब्जा कर लिया है। अगर उनके खिलाफ सख्ती बरती गई, तो यह प्रदर्शन हिंसक हो सकता है, जिससे समस्या और गंभीर हो जाएगी। लिहाजा, बेहतर होगा कि गोटबाया और रनिल इस्तीफा दें, राजपक्षे परिवार देश छोड़ दे और श्रीलंका में एक ऐसी अंतरिम सरकार बने, जिसमें सबका भरोसा हो। अगर गोटबाया इस्तीफा नहीं देते हैं, तो वहां की सियासी जमात को संविधानिक दायरे के बाहर के कदम सोचने पड़ेंगे और नया राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री चुनना होगा। चूंकि मौजूदा स्थिति कमजोर आर्थिकी से जुड़ी है, इसलिए श्रीलंका की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाना लाजिमी है। अगर यहां राजनीतिक स्थिरता कायम होती है, तो अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष जैसी संस्थाएं सहायता के लिए आगे आ सकती हैं। भारत ने विशेष रूप से श्रीलंका की मदद की है। नई दिल्ली ने इस साल उसे 3.8 अरब डॉलर की सहायता दी है, जिसमें ऊर्जा, दवाइयां, खाद आदि शामिल हैं। दूसरे देश की आंतरिक राजनीति में दखल न देने की हमारी नीति जारी है और भारत का यही मानना है कि श्रीलंका की जनता इस मसले का समाधान लोकतांत्रिक व सांविधानिक उपायों से करेगी। यह एक उचित नीति है। तमिलनाडु के लोग श्रीलंका के मामलों में विशेष रुचि रखते हैं। मगर पूर्व में बेशक श्रीलंका से आने वाले शरणार्थी वहां की जातीय हिंसा के शिकार रहे हैं, लेकिन आज ऐसा तनाव नहीं है। हां, अगर श्रीलंका के मौजूदा हालात बिगड़ते हैं।

> **श्रीलंका में राजनीतिक अस्थिरता गहरा गई है। बुधवार को अहले सुबह राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे देश छोड़ मालदीव की राजधानी माले पहुंचे। हालांकि, 9 जुलाई को उन्होंने अपने अवाम को यह आश्वासन दिया था कि वह..**

अमेरिका में महिला अधिकारों पर प्रहार

पिछले दिनों अमेरिका के उच्चतम न्यायालय ने गर्भपात को मान्यता देने वाले कानून को निरस्त कर दिया। अब अमेरिका के विभिन्न राज्यों की सरकारों को तय करना है कि वे महिलाओं को गर्भपात का अधिकार दें या नहीं? इस फैसले के आते ही रिपब्लिकन शासन वाले राज्यों ने गर्भपात पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी। एक तरह से डेमोक्रेट शासन वाले राज्यों को छोड़कर अन्य राज्यों में गर्भपात अब गैर-कानूनी हो गया है। 50 साल पुराने इस कानून के निरस्त होते ही अमेरिका में गर्भपात कराने वाली गोलियों की मांग चार गुनी बढ़ गई है। ये गोलियां कम खर्चीली हैं, लेकिन कई बार इन गोलियों को खाने से गर्भपात नहीं होता और जन्मे बच्चों को तमाम तरह की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां होती हैं। अमेरिका के कई राज्यों में टेलीमेडिसिन की सहायता से भी गर्भपात गैर कानूनी है। अब जिन राज्यों में यह कानूनन मान्य है, महिलाओं को वहीं जाकर गर्भपात कराना होगा। अमेरिका बहुत बड़ा देश है। सवाल है कि अपने घर-बार को छोड़कर किसी अपरिचित जगह महिलाएं कैसे जाएंगी? कैसे उन्हें डाक्टरों की सहायता मिलेगी? यदि कोई स्त्री या बच्ची दुष्कर्म का शिकार हुई और गर्भवती हो गई तो उसका क्या होगा? अमेरिका खुले यौन संबंधों की छूट देता है। ऐसे में वहां छोटी उम्र में ही बड़ी संख्या में लड़कियां मां बन जाती हैं। जो कम उम्र में मां नहीं बनना चाहतीं, वे क्या करेंगी? चोरी-छिपे ऐसा करने से उन्हें बीमा कंपनियों की मदद भी नहीं मिलेगी। हाल में ब्राजील से यह एक खबर आई थी कि वहां एक दस साल की बच्ची दुष्कर्म की शिकार होकर गर्भवती हो गई। उसने न्यायालय से गर्भपात की अनुमति मांगी, मगर न्यायालय ने उसे अनुमति नहीं दी। परिणामस्वरूप खुद दस साल की वह बच्ची, एक बच्चे को जन्म देकर उसे पालेगी। अमेरिका में कई सांसदों ने राष्ट्रपति जो बाइडन से मांग की है कि महिलाओं को गर्भपात का अधिकार मिलना चाहिए। बाइडन ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर दुख प्रकट किया है। अमेरिका में लगभग तीन चौथाई लोग तरह-तरह से इस फैसले का विरोध और महिलाओं का समर्थन कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि गर्भपात को कानूनी मान्यता न देंगे तो भी गर्भपात नहीं रुकेंगे। संयुक्त राष्ट्र में भी विशेषज्ञों ने अमेरिका में गर्भपात के विरुद्ध इस तरह के फैसले पर चिंता प्रकट की है। अमेरिका में महिलाएं उच्चतम न्यायालय के फैसले के विरोध में कोट-हैंगर लेकर सड़कों और इंटरनेट मीडिया पर अपना विरोध प्रकट कर रही हैं। कोट-हैंगर असुरक्षित गर्भपात का प्रतीक है। एक समय उसके जरिये ही गर्भपात कराए जाते थे। 1973 में रो बनाम वेड निर्णय से पहले 1969 में तीन लाख लोगों ने कोट-हैंगर लेकर प्रदर्शन किया था। इस निर्णय के जरिये ही महिलाओं को गर्भपात का कानूनी अधिकार मिला था। सवाल है कि अमेरिका जैसा देश जो महिलाओं की आत्मनिर्भरता, उनके शरीर पर उनके हक, समाज में बराबरी की भागीदारी की बात करता है, वह गर्भपात का कानूनी हक कैसे छीन सकता है? क्या हर साल बच्चा पैदा करके कोई भी स्त्री दफ्तर में लंबा समय बिता सकती है? फ्रांस में एक अध्ययन में पाया गया था कि जो महिलाएं असुरक्षित गर्भपात कराती हैं, उनमें से 61 प्रतिशत को तमाम तरह की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझना पड़ता है। गर्भपात कानून के विरुद्ध सबसे बड़ा तर्क यह दिया जाता है कि यह जिंदगी देने वाला नहीं, लेने वाला कानून है। याद होगा कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जार्ज बुश ने इसी कारण से भ्रूण स्टेम सेल रिसर्च को रोक दिया था। वैसे आधुनिक चिकित्सा पद्धति की दस्तक से पहले भी दुनिया भर में महिलाएं गर्भपात कराती रही हैं। भारत में भी ऐसा होता रहा है। अतीत में कई विधवाएं यौन उत्पीड़न की शिकार होकर गर्भवती हो जाती थीं। चोरी-छिपे गर्भपात कराने में कई बार उनकी जान भी चली जाती थी। जब विधवाओं के विवाह के समर्थन में अपने देश में आंदोलन चलाया जा रहा था, तब भी उनके यौन शोषण और उससे गर्भ ठहरने की चिंता समाज सुधारकों की नजर में थी। वास्तव में हमारे यहां के गर्भपात संबंधी कानून दुनिया को मानव अधिकारों और महिला अधिकारों का पाठ पढ़ाने वाले अमेरिका से मीलों आगे दिखाई देते हैं। हालांकि वर्ष 1960 में भारत सरकार ने भी कहा था कि वह गर्भपात को कानूनी मान्यता प्रदान नहीं करेगी, लेकिन विषय की गंभीरता को देखते हुए 1971 में गर्भपात को कानूनी मान्यता दे दी गई। इसका कारण महिलाओं को असुरक्षित गर्भपात से मुक्ति दिलाना तो था ही, आबादी पर लगाम लगाना भी था। 2021 में पुराने कानून में सुधार किए गए। इसमें महिलाओं को बच्चे के जन्म संबंधी अधिकारों में निर्णय लेने की पूरी छूट दी गई। दुष्कर्म, स्वजनों द्वारा यौन शोषण, गर्भनिरोधकों के अप्रभावी रहने जैसी विशेष स्थितियों में 24 हफ्ते तक के भ्रूण के गर्भपात की अनुमति दी गई है। यदि मां बच्चे को जन्म नहीं देना चाहती तो उसकी मानसिक स्थिति का असर अजन्मे बच्चे पर पड़ता है। अन्य शारीरिक व्याधियों के अलावा न केवल बच्चे मानसिक रूप से अस्वस्थ पैदा हो सकते हैं, बल्कि वे गर्भ में ही मां के रिजेक्शन को महसूस करते हैं। दुष्कर्म की स्थिति में तो यह बहुत भयावह होता है। आखिर अमेरिका में उच्चतम न्यायालय ने इस बात पर ध्यान क्यों नहीं दिया, जबकि वहां मां के मानसिक स्वास्थ्य की बातें सबसे ज्यादा की जाती हैं। डाक्टर मां के अच्छे मानसिक स्वास्थ्य के लिए बार-बार चेताते रहते हैं। उम्मीद है कि इन सभी बातों पर समग्रता से गौर करते हुए अमेरिका का उच्चतम न्यायालय अपने फैसले पर पुनर्विचार करेगा।

> **अमेरिका में कई सांसदों ने राष्ट्रपति जो बाइडन से मांग की है कि महिलाओं को गर्भपात का अधिकार मिलना चाहिए। बाइडन ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर दुख प्रकट किया है। अमेरिका में लगभग तीन चौथाई लोग तरह-तरह से इस फैसले का विरोध और महिलाओं का समर्थन कर**

यूरोप में जलवायु ने खड़ा किया राष्ट्रीय संकट

70 साल के सबसे बड़े सूखे की चपेट में इटली, रोम और पुर्तगाल के जंगलों में आग

मौसम वैज्ञानिक यूरोप में बिगड़े हालात को जलवायु संकट की शुरुआत के तौर पर देख रहे हैं। उनका कहना है कि बार बार चेतावनी देने के बाद भी अगर मौसम परिवर्तन को लेकर दुनिया सचेत नहीं हुई तो आने वाले दिन इससे कहीं ज़्यादा घातक होने वाले हैं।

दुनियाभर से पर्यटक यूरोप में गर्मी की छुट्टियां मनाने आते हैं लेकिन इस बार कई यूरोपीय देशों का हाल गर्मी से बेहाल हो चुका है। खासतौर पर पश्चिम यूरोप में गर्मी की वजह से कई देशों ने इसे राष्ट्रीय संकट घोषित कर दिया है। अगले कुछ हफ्तों तक इससे बचने के लिए अपने नागरिकों और पर्यटकों को चेतावनी दे रहे हैं। यूरोप में रिकॉर्ड गर्मी की वजह से कहीं सूखा तो कहीं जंगलों में आग लगने की खबरें सुर्खियों में है। वहीं प्रचंड गर्मी से यूरोपीय देशों के पर्यटन को धक्का भी पहुंच रहा है। स्पेन, फ्रांस, इटली, पुर्तगाल, यूके में गर्मी का पारा 37 डिग्री के पार जा चुका है। इन देशों के मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले दिनों में तापमान क़रीब आठ से दस डिग्री तक और बढ़ सकता है।

कम से कम अगले दो हफ़्ते तक इस प्रचंड गर्मी से निजात मिलने की संभावना नहीं है। इधर, ठंडे प्रदेशों के लकड़ी के घरों में एसी और पंखे की व्यवस्था नहीं होती है। यहां घरों को भी इस तरह तैयार किया जाता है कि ठंड के मौसम में बाहरी तापमान का असर घर के अंदर नहीं हो। अब ऐसे में आप अंदाजा लगा सकते हैं कि तापमान बढ़ने से यहां लोगों किन तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा होगा। सूरज की तीखी धूप में बाहर निकलना चुनौती से कम नहीं। वहीं घरों का निर्माण ऐसे भीषण गर्मी को ध्यान में रखकर नहीं किया गया। जिससे घरों के अंदर भी लोग बेहाल हो रहे हैं। यह असंतुलित तापमान का असर ही है कि अब नॉर्वे और स्वीडन में भी एसी व पंखे बिकने लगे हैं। यहां इन चीजों का बाजार बन रहा है। स्वीडिश जलवायु शोधार्थियों ने पहले ही इस बार देश में सबसे ज्यादा गर्मी पड़ने की चेतावनी जारी कर दी थी। जिससे यहां के बाजारों में पंखे और एसी उम्मीद से ज्यादा बिकने शुरू हो गये। स्पेन में हालात की गंभीरता को समझते हुए दिन में समुद्र तटों पर पर्यटकों के जाने की मनाही पहले ही हो चुकी है।

हाल में ही स्पेन में पारा 40 डिग्री के पार जाने के बाद स्थानीय प्रशासन ने तपती धूप में समुद्र बीच पर जाने, लेटने, बैठने या सीधे धूप के संपर्क में रहने पर रोक लगा दिया था। ताकि कम से कम लोग लू की चपेट में आए और वे गर्मी से बीमार नहीं हो। पारा औसत से अधिक होने पर दिन में सार्वजनिक कार्यक्रमों और खुले मैदान में बैठने पर भी मनाही कर दी गई। वहीं इटली पिछले 70 सालों के सबसे भयंकर सूखे की मार झेल रहा है। जिससे वहां गर्मी से आपातकाल की घोषणा की गई। इस सूखे की सबसे ज्यादा मार चावल की खेती पर हुई है। लगातार गर्मी और कम बारिश की वजह से धान के खेतों की सिंचाई नहीं हो पा रही है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक़ इटली में पिछले तीस वर्षों की औसत बारिश का आधा भी इस वर्ष नहीं हुआ है। सूखे के कारण देश का 30 प्रतिशत कृषि उत्पादन प्रभावित हुआ है। इसमें धान की खेती यहां सबसे ज़्यादा बर्बाद हुई है। इसका असर आने वाले दिनों में बाजार की महंगाई पर भी पड़ने वाला है। इंग्लैंड और वेल्स में मौसम विभाग ने अगले दो हफ्तों के लिए हीट अलर्ट जारी कर दिया है। यहाँ आने वाले दिनों में तापमान औसत से ज़्यादा रहेंगे। ऐसे में लोगों को दिन में कम से कम घर से बाहर निकले और शरीर में पानी की कमी नहीं हो इसकी भरपूर व्यवस्था रखने के सुझाव सार्वजनिक तौर पर दिये जा रहे हैं। वहीं सूखे व भयंकर गर्मी की वजह से रोम और पुर्तगाल के जंगलों में आग लग गई। इस वजह से आसपास के इलाकों का तापमान औसत से कहीं ज़्यादा बढ़ चुका है। माना जा रहा है कि तापमान ऐसे ही प्रचंड रहा तो पुर्तगाल में भी गर्मी को राष्ट्रीय संकट घोषित किया जा सकता है। मौसम वैज्ञानिक यूरोप में बिगड़े हालात को जलवायु संकट की शुरुआत के तौर पर देख रहे हैं। उनका कहना है कि बार बार चेतावनी देने के बाद भी अगर मौसम परिवर्तन को लेकर दुनिया सचेत नहीं हुई तो आने वाले दिन इससे कहीं ज़्यादा घातक होने वाले हैं। यूरोप में असंतुलित तापमान का यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। जिससे पूरी दुनिया प्रभावित होगी।

प्रशासनिक 'वर्ण व्यवस्था' : इसका इलाज भी तो बताएं गृह मंत्री...

अमित शाह ने कहा कि हालत यह है कि दोनो शीर्ष सेवाओं में आपस में तालमेल नहीं है। आईएएस के नियमों को आईपीएस नहीं मानते। उन्हें लगता है कि आईएएस सबसे पहले अपने हित साधन और स्वार्थरक्षा के हिसाब से कानून और नियम बनाते हैं।

केन्द्रीय गृह मंत्री और भाजपा के दिग्गज नेता अमित शाह ने नौकरशाही में व्याप्त 'वर्ण व्यवस्था' का खुलकर जिक्र तो किया, लेकिन इसके 'इलाज' की कोई बात नहीं की। गोया यह लाइलाज मर्ज हो। जयपुर में आयोजित नार्दर्न काउंसिल की बैठक में शाह ने जो कहा, उसका आशय यही था कि आईएएस और आईपीएस दोनो ही केन्द्रीय सेवाएं हैं, लेकिन दोनों में वैसा तालमेल नहीं है, जैसा कि होना चाहिए।

तीनो कैडरों की दुनिया: मतभेद और ईर्ष्या अथवा परस्पर तुच्छ भाव ज्यादा है। बकौल शाह तीनो कैडरों ने अपनी दुनिया बना ली है, वो उसी में जीना चाहते हैं। हालांकि, बहुत से लोगों का मानना है कि भारत ब्यूरोक्रेसी के इसी 'स्टील फ्रेम' की वजह से कायम है। बावजूद तमाम मतभेदों के नौकरशाही एक छतरी के रूप में काम करती है। इसे व्यक्तिगत राग द्वेष के आईने में नहीं देखा जाना चाहिए। लेकिन अमित शाह ने जो कहा, वो महज एक और शोशेबाजी है, ऐसा नहीं कहा जा सकता। इस तरह की आंतरिक खींचतान भारतीय ब्यूरोक्रेसी की हकीकत है। भले ही पहली दफा बहुत साफ और तंज के रूप में किसी वरिष्ठ मंत्री ने ऐसा कहा हो। इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विसेज (आईएएस) यानी भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी तो खुद को ही देश का भाग्यविधाता मानकर चलते हैं। निरीह जनता पर रौब झाड़ते हैं, दबंग आका के आगे बिछे चले जाते हैं। हालांकि, कुछ खुद्दार अफसर भी होते हैं। उनकी नस्ल दुर्लभ श्रेणी की है और वे व्यवस्था की प्रताड़ना से पीड़ित रहते हैं।

पब्लिक तो खाकी से डरती है: जबकि इंडियन पुलिस सर्विस (आईपीएस) यानी भारतीय पुलिस सेवा (पुलिस का कोई सर्वमान्य हिंदी अनुवाद नहीं है) का मानना है कि असल में सत्ता का डंडा तो उन्हीं के पास रहता है भले आईएएस खुद को तीसमारखां समझें। पब्लिक तो खाकी से डरती है। जबकि आईएएस की सोच अमूमन यही रहती है कि बस एक बार यह तमगा मिल जाए फिर बाकी दुनिया कदमो में हैं।

आजादी के 75 साल बाद भी: यही कारण है कि आजादी के 75 साल बाद भी प्रशासनिक सेवाओं के ज्यादातर अफसरों की मानसिकता 'प्रजा पर राज' करने के भाव से ही अभिप्रेरित है। यह सही है कि भारत में अधिकांश मामलों में सत्ता के शीर्ष सूत्र आईएएस अधिकारियों के पास ही रहते हैं, जिनमें आईपीएस भी शामिल हैं। जबकि दोनो ही कैडर के अफसर कठिन प्रतियोगी परीक्षा पास करके आते हैं और दोनो की ही सेवाएं अखिल भारतीय मानी जाती है। मगर सच्चाई यही है कि गिने-चुने अफसर ही ऐसे होते हैं, जो लीक से हटकर और स्वतंत्र देश के स्वतंत्र नागरिक की तरह सोचते और नवाचार करते हैं। ज्यादातर के लिए आईएएस और आईपीएस बनना यानी आजीवन सत्ता का निरंकुश उपभोग करना ही है।

श्रीलंका के लोगों को समझना होगा कि संकट से उबारने वाली संजीवनी बूटी अब भी वहीं है

श्रीलंका में एक तरफ तो खाद्यान्न वस्तुओं की जबरदस्त महंगाई ने वहां के सभी लोगों की कमर तोड़कर रख दी है, वहीं दूसरी तरफ देश की बेहद खस्ताहाल आर्थिक स्थिति के लेखा-जोखा ने श्रीलंका व दुनिया के अर्थशास्त्रियों व उसके सभी मददगार देशों की चिंता बढ़ा दी है।

हुँकारों से महलों की नींव उखड़ जाती,
साँसों के बल से ताज हवा में उड़ता है,
जनता की रोके राह, समय में ताव कहाँ ?
वह जिधर चाहती, काल उधर ही मुड़ता है।।

राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' की %सिंहासन खाली करो कि जनता आती है% कविता की यह चंद पंक्तियां अक्सर मुझे उसे वक्त जरूर याद आ आती हैं, जब देश या दुनिया के किसी भी क्षेत्र से आम जनमानस के द्वारा बड़े जन विद्रोह की कोई आहट सुनाई देने लगती है। आज भारत के पड़ोसी देश श्रीलंका के मौजूदा हालात पर %दिनकर% की कविता की यह चंद पंक्तियां एकदम से सटीक बैठती है। कभी दुनिया के विभिन्न देशों के पर्यटकों के लिए बेहद आकर्षण का केंद्र रहने वाला एक छोटा-सा यह समुद्री द्वीप पर बसा देश श्रीलंका था। हालांकि दुनिया के अन्य देशों की तरह पिछले कुछ वर्षों से श्रीलंका भी कोरोना महामारी के जबरदस्त प्रकोप के चलते मंदी से ग्रस्त था, लेकिन मंदी के बावजूद भी कोई यह नहीं कह सकता था कि चंद माह के बाद ही यह देश अचानक दिवालिया होने के कगार पर खड़ा हो जायेगा। लेकिन ऐसा हो गया। श्रीलंका अपने हुक्मरानों की ग़लत आर्थिक नीतियों, भ्रष्टाचार के चलते आज जबरदस्त आर्थिक संकट में फंसकर के दिवालिया होने के कगार पर पहुंच चुका है। देश की सत्ता पर आसीन चंद राजनेताओं की अदूरदर्शिता के चलते श्रीलंका राजनीतिक व आर्थिक अस्थिरता के मोर्चे पर जंग लड़ रहा है। पिछले कुछ माह में ही श्रीलंका के हालात बेहद बद से बदतर हो चले गए हैं। अब तो श्रीलंका के आर्थिक हालात इस कदर बिगड़ गये हैं कि वहां के आम जनमानस के लिए भोजन व पानी समय से उपलब्ध करवाने का भी गंभीर संकट पैदा हो गया है। हालात इतने भयावह हो गये हैं कि श्रीलंका में आम जनमानस के रोजमर्रा के उपभोग की आम वस्तुओं की भी बाजार में किल्लत होने के चलते कालाबाजारी व महंगाई अपने चरम पर पहुंच गयी है। आज श्रीलंका में लगभग सभी वस्तुओं के मूल्यों ने महंगाई की चपेट में आकर के आसमान को छू लिया है। वैसे श्रीलंका के संदर्भ में हम अगर कुछ आंकड़ों को देखें तो वर्ष 2020 के मानव विकास सूचकांक यानी ह्यूमन डेवलपमेंट इंडेक्स के आंकड़ों में जहां भारत दुनिया में 0.645 अंक के साथ 131वें स्थान पर था, वहीं इस सूची में श्रीलंका 0.782 अंक के साथ 72वें स्थान पर था। यानी की दुनिया के 189 देशों की सूची में श्रीलंका भारत से बहुत ऊपर था। यहां आपको बता दें कि मानव विकास सूचकांक मानव विकास के 3 मूल मानदंडों यानी जीवन प्रत्याशा, शिक्षा और प्रति व्यक्ति आय में देशों की औसत उपलब्धि को मापता है। इसके आंकड़ों को देखा जाये तो वर्ष 2020 में श्रीलंका की प्रति व्यक्ति आय भी भारत से कहीं बहुत ज्यादा थी। विचारणीय तथ्य यह है कि ऐसी मजबूत स्थिति होने के बाद भी दो वर्षों में ही श्रीलंका में ऐसा आखिरकार क्या हुआ कि एक हंसता खेलता हुआ खुशहाल देश अचानक तबाही के कगार पर आ गया। श्रीलंका के हालातों पर एक-एक पल की नजर रखने वाले देश-दुनिया के विशेषज्ञों के विचारों को देखें तो उन विचारों का मूल सार यह है कि श्रीलंका के हुक्मरानों ने परिवारवाद व भ्रष्टाचार के चंगुल में फंसकर देश व अपनी बर्बादी की पटकथा की पूरी कहानी स्वयं ही अपने हाथों से लिखने का कार्य किया है। वह इस भयावह हालात के लिए किसी दूसरे व्यक्ति व देश को दोषी ठहरा कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला नहीं झाड़ सकते हैं।

पिछले कुछ वर्षों में श्रीलंका की सरकार में बैठे हुए हुक्मरानों की लगातार ग़लत आर्थिक नीतियों व जबरदस्त भ्रष्टाचार के चलते आज पूरा देश दिवालिया होने के कगार पर पहुंच गया है। श्रीलंका के इस बेहद चिंताजनक हालात के लिए राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे और उनके भाई पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे को जिम्मेदार माना जा रहा है, क्योंकि चंद दिनों पहले तक भी राजपक्षे बंधुओं व सत्ता का आनंद ले रहे उनके परिजनों से पक्ष, विपक्ष व सिस्टम के लोगों में से कोई भी प्रश्न करने की ताकत नहीं रखता था। जिसके चलते लंबे समय से श्रीलंका के शासन व प्रशासन में ऊपर से नीचे तक पूरे तंत्र में देश व समाज के हित की जगह एक परिवार के प्रति जी-हुजूरी व्याप्त हो गयी थी और सिस्टम ने सही व गलत निर्णय पर अपने विचार ना देकर के केवल राजपक्षे बंधुओं की हां में हां मिलाना जारी रखा हुआ था। जिसकी वजह से शासक निरंकुश होते चले गये और राजनीतिक स्तर पर भ्रष्टाचार अपने चरम पर पहुंच गया था। आज श्रीलंका दुनिया में एक उदाहरण बन गया है कि कैसे वहां के राजनीतिक लोगों, उनके परिजनों, ब्यूरोक्रेसी व सिस्टम में बैठे चंद लोगों ने भ्रष्टाचार के दम पर देश की मजबूत जड़ों को दीमक की तरह खोखला करके चंद वर्षों में ही बर्बादी के कगार पर पहुंचा दिया है।

चिकित्सा मंत्री प्रसादीलाल मीणा से सिरोही सर्किट में मुलाक़ात कर पिण्डवाडा आबु विधानसभा क्षेत्र के समस्त अस्पतालों में चिकित्सकों के रिक्त पदों को भरने की रखी मांग

❐ मरूधर आवाज

पिण्डवाडा। पिंडवाड़ाआबु विधायक समाराम गरासिया ने शुक्रवार को राजस्थान सरकार के चिकित्सा मंत्री प्रसादीलाल मीणा से सिरोही सर्किट हाउस में मुलाक़ात कर पिण्डवाडा आबु विधानसभा क्षेत्र के समस्त अस्पतालों में चिकित्सकों के रिक्त पदों को भरने की मांग रखी। मंत्री को अवगत कराया की पिण्डवाडा आबु विधानसभा क्षेत्र आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है चिकित्सकों की कमी होने से गरीब आदिवासीयों को इलाज के लिए बाहर अस्पताल में बहुत आर्थिक नुकसान हो रहा है। जिस पर मंत्री ने विधायक को रिक्त पदों को शीघ्र भरवाने के लिए आश्वस्त किया। इस मौके पर जनजाति मोर्चा के पुर्व जिला अध्यक्ष धनाराम मीणा भी साथ रहे।

पिंडवाड़ा में 24 घंटो में 105 एमएम बारिश दर्ज, उपखंड क्षेत्र के सभी बांधो में पानी की हुई शुरू

पिंडवाड़ा का लखोटिया तालाब भरा, कांटल के कादम्बरी बांध में 6 फीट आया पानी

❐ मरूधर आवाज

पिंडवाड़ा। पिंडवाड़ा उपखंड क्षेत्र में पिछले 24 घंटो में तेज बारिश से नदी नाले छोटे भर गए और कुछ नाले तेज वेग से चलने लगे। पिंडवाड़ा नगर में स्थित लखोटिया गोगाजी मंदिर का तालाब भी गुरुवार के दिन पानी की अत्यधिक आवक से लबालब हो गया। वहीं सिवेरा , भुला कांटल और बनास बांध में तेज बारिश के कारण पानी की आवक शुरू हुई जो कि लगातार जारी है। अरावली पर्वत की गोद में बसे हुए सभी बांधो में पानी की आवक नहीं होने और पिछले दो साल से बांध सूखने से किसान मायूस थे लेकिन इस वर्ष मानसून की मेहरबानी से किसानों में श्रावण मास के प्रथम दिन से ही तेज बारिश से पूरे जिले में खुशी का माहौल है। पिछले 24 घंटो में पिंडवाड़ा में 105 एमएम बारिश दर्ज की गई। जिससे पिंडवाड़ा के समीप कांटल स्थित कादम्बरी बांध में 6 फिट तक पानी आ गया इसकी ओवरफ्लो क्षमता 22 फीट है पानी की आवक होने से आस पास के लोगों में बांध देखने सिलसिला शुरू हो गया है।

संत श्री आशारामजी आश्रम, बेंगलुरु में मनाया गुरु पूर्णिमा महोत्सव व ऋषि प्रसाद जयंती आश्रम में उमड़ा जनसैलाब

❐ मरूधर आवाज

बेंगलुरू। गुरुवार पूर्णिमा गुरुभक्तों का सबसे बड़ा पर्व है, इस दिन शिष्य अपने सद्गुरु के चरण कमलों की पूजा करके पूरे वर्षभर के पूर्णिमा व्रत का फल पा लेते हैं।आदिशक्ति माँ बनशंकरी पार्वती मंदिर के क्षेत्र सेकंड स्टेज में स्थित संत श्री आशारामजी आश्रम, बेंगलुरु में गुरु पूर्णिमा का महापर्व व ऋषि प्रसाद जयंती भक्तों के द्वारा बड़ी धूमधाम से मनाया गया।

सुदूर क्षेत्रों से भक्तों का आना दो दिन पूर्व से जारी था। इस वर्ष आश्रम में आने वाले भक्तों की संख्या गत वर्षों की तुलना में कई गुना थी ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो आश्रम मै जनसैलाब उमड़ पड़ा हो। सुबह सर्वप्रथम विश्व शांति हेतु व पूज्य बापूजी के उत्तम स्वास्थ्य हेतु महामृत्युंजय मंत्र का हवन किया गया। उसके बाद षोडशोपचार द्वारा पादुका पूजन हुआ वहीं ऋषि प्रसाद महाग्रंथ की 22वीं जयंती मनाई गई, तत्पश्चात श्री आशारामायण जी का सामूहिक संगीतमय पाठ किया गया फिर भजन-कीर्तन पर भक्त खूब नाचे-झूमे तथा वीडियो सत्संग का लाभ लिया। अंत में आरती के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।

बढ़ते प्रदूषण को रोकना है तो पौधे लगाए : राणा

बिलाडा पुलिस थाना में सघन पौधरोपण कार्यक्रम की शुरुवात

❐ मरूधर आवाज

जोधपुर। शुष्क राजस्थान मे हरियाली को बढ़ावा देने वाली पर्यावरण संजीवनी संस्थान के तहत शुक्रवार को पुलिस थाना बिलाडा में थानाधिकारी बाबूलाल राणा संस्था अध्यक्ष गोविंद सीरवी के नेतृत्व में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया इस मौके पर थानाधिकारी बाबूलाल राणा ने कहा कि पेड़ के बिना हम सबका जीवन अधूरा है बढ़ते प्रदूषण को रोकने,बारिश को बढ़ावा देने,आक्सीजन को बढ़ावा देना चाहते है तो पौधरोपण जरूरी है । संस्था अध्यक्ष गोविंद सीरवी ओर महिपाल ने कहा कि इस बारिस के मौषम में जितना हो सके पेड़ लगाए । सरपंच सुराराम सीरवी ओर डॉ रामदयाल सागर ने कहा कि अपने जीवन मे जितना हो सके उतने पौधे लगाकर पेड बनाये तभी हमारा जीवन सफल होगा । इस कार्यक्रम में बिलाडा थानाधिकारी बाबूलाल राणा,नरेंद्र सिंह सबइंस्पेक्टर ,संस्था अध्यक्ष गोविंद सीरवी,संस्था प्रवक्ता धर्मेंद्र रामावत , भगवान शहाय, भावी सरपंच सुराराम सीरवी,डॉ रामदयाल सागर,महिपाल कड़वासरा,धर्मेंद्र जाट,थाना स्टाफ लोकेश मीणा, लखपत मीणा, राकेश, विमल, दिनेश, भागचंद, बाबूलाल ,नमोनारायण,सहित गणमान्य लोग मौजूद थे ।

ट्रेवल प्लस लेजर ने जारी की विश्व के बेस्ट शहरों की सूची: विश्व के टॉप 10 बेस्ट शहरों की सूची में भारत के दो शहर शामिल

राजस्थान के जयपुर को 8 वां और उदयपुर को मिला 10 वां स्थान

❐ मरूधर आवाज

जयपुर। अन्तर्राष्ट्रीय और पर्यटन जगत में प्रतिष्ठित मैगजीन ट्रेवल प्लस लेजर ने विश्व के बेस्ट शहरों की सूची जारी की है। इसमें विश्व के टॉप 10 बेस्ट शहरों की सूची में भारत के दो शहरों को शामिल किया गया है। इनमें राजस्थान के जयपुर को 8 वां और उदयपुर को 10 वां स्थान मिला है।

दुनिया के टॉप 10 बेस्ट शहर

दुनिया के टॉप 10 बेस्ट शहरों की सूची में जयपुर को आठवा और उदयपुर को दसवा स्थान मिला है।

इस सूची में प्रथम स्थान पर ओक्साका, मेक्सिको, दूसरे स्थान पर सैन मिगुएल डी ऑलेंडे, मेक्सिको, तीसरे स्थान पर उबुद इंडोनेशिया, चौथे स्थान पर फ्लोरेंस, इटली और पांचवें स्थान पर इस्तांबुल, तुर्की रहा है। इसी प्रकार छठे स्थान पर मैक्सिको सिटी, मैक्सिको, सातवें स्थान पर चियांग माई, थाईलैंड और नौवें स्थान पर ओसाका, जापान रहा है।

एशिया के टॉप 15 बेस्ट शहर में भी राजस्थान के दो शहर

ट्रेवल प्लस लेजर मैग्जीन की ओर से एशिया के टॉप 15 बेहतरीन शहरों की सूची भी जारी की गई है। टॉप शहरों की सूची में जयपुर को तीसरा और उदयपुर को पांचवां स्थान मिला है। इस सूची में टॉप शहर उबुद इंडोनेशिया, दूसरे स्थान पर चियांग, थाईलैंड और चौथे स्थान पर ओसाका, जापान रहा है। पर्यटन मंत्री श्री विश्वेन्द्र सिंह ने कहा कि विश्व मानचित्र पर राजस्थान तेजी से उभर रहा है। प्रदेश के शहरों का वर्ल्ड की टॉप शहरों की सूची में शामिल होना प्रदेशवासियों और राजस्थान पर्यटन के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि पर्यटन को ब?ावा देना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। राज्य सरकार द्वारा पर्यटन उद्योग को दर्जा, नई पर्यटन नीति, राजस्थान फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति सहित कई नवाचार किये जा रहे है।

विधिक सेवा प्राधिकरणों का 18वां अखिल भारतीय सम्मेलन शनिवार से जयपुर में

❐ मरूधर आवाज

जयपुर। देशभर के विधिक सेवा प्राधिकरणों का 18वां अखिल भारतीय दो दिवसीय सम्मेलन जयपुर के सीतापुरा स्थित जयपुर एग्जीबिशन एण्ड कन्वेनशन सेन्टर में शनिवार एवं रविवार को आयोजित किया जाएगा।सम्मेलन के पहले दिन उद्घाटन सत्र में सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एवं राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के मुख्य संरक्षक जस्टिस श्री एन.वी. रमन्ना, राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एवं राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मुख्य संरक्षक श्री एस.एस.शिन्दे, सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस उदय उमेश ललित, मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत, केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्री श्री किरण रिजूजू एवं राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष जस्टिस श्री मनिन्द्र मोहन श्रीवास्तव का संबोधन होगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के नवाचारों एवं यूटीआरसी कैम्पेन का शुभारंभ भी किया जायेगा। उद्घाटन सत्र के बाद दो तकनीकी सत्र होंगे तथा शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन के दूसरे दिन प्रातः तीसरे तकनीकी सत्र का आयोजन होगा तथा दोपहर में समापन सत्र होगा।

वांछित 5000 रुपए का ईनामी हिस्ट्रीशीटर भू-माफिया गिरफ्तार

पुलिस से बचने के लिए जी रहा था खानाबदोश सी जिंदगी

❐ मरूधर आवाज

कोटा। रेलवे कॉलोनी थाना पुलिस ने लंबे समय से 3 मुकदमों में फरार चल रहे 5000 रुपए इनामी हिस्ट्रीशीटर भू माफिया मनोज शर्मा पुत्र रामभरोसे लाल निवासी बाल मंदिर स्कूल रोड थाना भीमगंज मंडी को जयपुर में निवारू रोड पर स्थित एक अपार्टमेंट से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पुलिस से बचने के लिए खानाबदोश सी जिंदगी जी रहा था। सिटी एसपी केसर सिंह शेखावत ने बताया कि साल 2021 में आरोपी मनोज शर्मा व अन्य के विरुद्ध नवल किशोर शर्मा ने एक रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें बताया की आरोपी उसके घर से करीब 80-90 फाइल चुरा ले गए और कूट रचित दस्तावेज तैयार कर प्लाट मार्केट में करीब 90 लाख में बेच दिये। रिपोर्ट पर थाना रेलवे कॉलोनी पर मुकदमा दर्ज किया गया। पूर्व में थाना पुलिस द्वारा चार आरोपियों गुरु सेवक, सौरव, महमूद और नूर मोहम्मद को गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपी मनोज घटना के बाद से ही फरार चल रहा था। जिस पर 5000 का इनाम घोषित किया गया। लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी की गिरफ्तारी के लिये एसपी शेखावत ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रवीण जैन व सीओ कालूराम वर्मा के सुपरविजन एवं थाना अधिकारी मुनिन्द्र सिंह के नेतृत्व में टीम गठित की। सूचना पर लगातार पीछा कर रही टीम सागर मध्य प्रदेश पहुंची लेकिन वहां भी आरोपी का कोई पता नहीं चला। इसी दौरान सूचना मिली की मनोज ने करीब 13 साल पहले निवारू रोड पर एक फ्लैट खरीदा था। इस पर एक टीम निवारू भेजी गई। पूरा पता नहीं होने पर 2 दिन स्टे कर टीम ने आसपास जानकारी जुटाई।

प्रेस वाले की जानकारी पर दबोचा

निवारू रोड स्थित सोनू अपार्टमेंट के पास एक प्रेस वाले ने पुलिस की टीम को बताया कि एक भिखारी टाइप का आदमी सुबह शाम सामने वाले अपार्टमेंट से आता-जाता है। सूचना पर टीम ने 16 घंटे रेकी कर आरोपी को गिरफ्तार किया। जिसे शुक्रवार को कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है। आरोपी से अन्य वारदातों के बारे में अनुसंधान किया जा रहा है।

फर्जी इकरारनामा व मुख्तारनामा तैयार करता

गिरफ्तार मुलजिम मनोज शर्मा प्लाटों की फाइलों में खुद ही स्टाम्प खरीद कर इकरारनामा व मुख्तारनामा तैयार करवाता तथा ऐसे नोटेरी वकीलों की मोहर से फाइलों को नोटेरी करता जिनकी मृत्यु हो चुकी हो। उसके बाद गिरोह के सदस्यों से उन प्लाटों की फाइलों का बेच देता।

खानाबदोश सा जीवन जी रहा था

आरोपी मनोज शर्मा जयपुर के निवारू रोड पर जिस जगह रह रहा था उसमें 6 फ्लैट हैं। पुलिस से बचने के लिए एक फ्लैट में मनोज अकेला खानाबदोश सा जीवन जी रहा था। मनोज ने मोबाइल तथा सोशल मीडिया अकाउंट का उपयोग करना भी बंद कर दिया था।

सरकार को लाखों की चपत लगाने वाला आरोपी गिरफ्तार

विकास अधिकारी की एसएसओ आईडी हैक कर हड़पे थे लाखों रुपए

❐ मरूधर आवाज

जैसलमेर। मोहनगढ़ थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई कर पंचायत समिति मोहनगढ़ के विकास अधिकारी की एसएसओ आईडी हैक कर स्वच्छ भारत मिशन योजना के लाखों रुपए की राशि हड़पने वाले मुख्य अभियुक्त शीशपाल उर्फ सुभाष पुत्र बाबूराम निवासी राजीव नगर बरजासर थाना लोहावट जिला जोधपुर को प्रोडक्शन वारंट पर केंद्रीय कार्यालय जोधपुर से गिरफ्तार किया है। आरोपी का पुलिस रिमांड प्राप्त कर थाना पुलिस द्वारा गहनता से पूछताछ की जा रही है। जैसलमेर एसपी भंवर सिंह नाथावत ने बताया कि 2 मार्च को तत्कालीन विकास अधिकारी पंचायत समिति मोहनगढ़ चांगदेव सोपान ने थाना मोहनगढ़ पर एक रिपोर्ट दी जिसमें बताया कि 25 जनवरी से ई राज पंचायत भुगतान सिस्टम से रोक होने के बाद भी किसी अनजान व्यक्ति में एसएसओ आईडी हैक कर कई व्यक्तियों को फर्जी लाभार्थी बनाकर फर्जी खातों में राजकोष से लाखों रुपए का भुगतान किया गया है। रिपोर्ट पर थाना मोहनगढ़ पर मुकदमा दर्ज किया गया। घटना की गंभीरता को देख एसपी नाथावत द्वारा थानाधिकारी भवानी सिंह के नेतृत्व में टीम गठित कर आरोपी की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गये। टीम ने कड़ी मेहनत कर विभिन्न बैंकों से रिकॉर्ड प्राप्त कर विश्लेषण किया और आरोपी की पहचान कर प्रोडक्शन वारंट पर केंद्रीय कारागृह जोधपुर से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोप स्वीकार करने पर कोर्ट में पेश कर आरोपी का पुलिस रिमांड प्राप्त किया गया है।

राज्य के 12 जिलों में वांछित है आरोपी

गिरफ्तार आरोपी शीशपाल उर्फ सुभाष टोंक जिले के थाना निवाई, अजमेर के क्रिश्चियन गंज, जोधपुर के ओसियां, पाली के ट्रांसपोर्ट नगर, अलवर के बानसूर, भीलवाड़ा के सदर, सवाई माधोपुर के मलारना डूंगर, गंगानगर के सूरतगढ़, भरतपुर के कामां, बीकानेर के खाजूवाला, बांसवाड़ा के अरथुना और दौसा के मानपुर थाने में भी वांछित है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना पर कार्यशाला आयोजित

❐ मरूधर आवाज

अरांई। अरांई पंचायत समिति सभागार में तहसील स्तरीय प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया गया। बीमा कम्पनी के प्रतिनिधि अभिषेक जोशी एवं जिला समन्वयक प्रवीण जोशी ने बताया कि जिले में बजाज अलायंस बीमा कम्पनी फसल बीमा के लिए अधिकृत है तथा फसल का बीमा करवाने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2022 है तथा बीमे से बाहर होने की तिथि 24 जुलाई 2022 है। इसमें कृषक स्वयं बैंक जाकर लिखित खसरा वार फसल ब्योरा देकर अपना फसल का खसरा वार बीमा करवा सकता है। ऋणी कृषक अपनी सम्बंधित शाखा से बीमा करवा सकता है और अऋणी कृषक जो अपना फसल का बीमा करवाना चाहता है वह अपने नजदीकी कोमन सर्विस सेंटर या ई मित्र पर अपना घोषणा पत्र, जमाबंदी बैंक पासबुक ले जाकर बीमा करवा सकता है और विपरीत परिस्तिथियों में आपदा होने पर कम्पनी के टोल फ्री नम्बर 18002095959 पर शिकायत दर्ज करवा सकते हैं।

कार्यशाला में तहसीलदार हनुमान प्रसाद, नायब तहसीलदार हिम्मत सिंह, सहायक कृषि अधिकारी हेतराम जाट एव राजस्व तथा कृषि सम्बंधित कार्मिक , बैंक प्रतिनिधि व किसान उपस्थित थे।

दिनदहाड़े पेट्रोल पंप पर हुई फायरिंग की घटना से शहर में फैली दहशत

वारदात को अंजाम देने हरियाणा से बुलाए थे दो शार्प शूटर

बून्दी। शहर के बाईपास रोड़ पर शुक्रवार सुबह दिन दहाड़े हुई फायरिंग से शहर में सनसनी फैल गई। पुलिस ने इस मामले में आरोपियों को डिटेन कर लिया है। वहीं दो कारों को भी जब्त किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बाईपास रोड़ स्थित लक्ष्मीचंद रेवतीलाल पेट्रोल पम्प पर हिण्डोली की ओर से एक लाल रंग की होण्डा सिटी कार आर जे14 सी एच 2445 पेट्रोल भरवाने आई। इसी दौरान बून्दी की ओर से आई एक सफेद रंग की स्कार्पियों कार नं.आर जे 08 यू बी 3888 आकर रूकी। उसमे से दो युवक नीचे उतरे और होण्डा सिटी कार पर दो से तीन ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। अचानक हुए फायर से घबराकर होण्डा सिटी चालक कार को कोटा बाईपास की ओर भगा ले गया। जिसका स्कार्पियों गाड़ी सवार युवकों ने पीछा भी किया।

फायरिंग की सूचना मिलने पर पुलिस उप अधीक्षक ,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, डीएसटी टीम,सिटी कोतवाली एवं सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और चारों तरफ नाकाबंदी करवाई। तथा आसपास के लोगों से घटना की जानकारी जुटाई। पुलिस ने पेट्रोल पम्प पर लगे सीसीटीवी कैमरे की मदद से आरोपियों की शिनाख्त की। पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान दोनो कारों को जब्त कर लिया। पुलिस ने स्कॉर्पियो में सवार तीन युवकों को भी डिटेन किया है। जबकि होडा सिटी कार सवार कार छोड़कर जान बचाते हुए मौके से फरार हो गया। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। दूसरी ओर इस घटना को प्रोपर्टी को लेकर पुरानी रंजिश से जोड़कर देखा जा रहा है। मामले में हौंडा सिटी कार सवार युवक राहुल खंगार ने कोतवाली में पहुंच कर रिपोर्ट सौंपी है। मामले की जांच स्वयं कोतवाली थानाधिकारी सहदेव मीणा कर रहे हैं। प्रोपर्टी डीलर रामदेव नेखाड़ी उर्फ देवीलाल तथा शार्प शूटर द्वारा ठेकेदार मनोज बैरवा के भाई मोनू बैरवा एवं अन्य कार सवार उसके साथियों पर फायरिंग करने की बात सामने आ रही है। पुलिस अधीक्षक जय यादव पूरे मामले पर नजर बनाए हुए हैं।सीआई सहदेव सिंह ने बताया की मामले में राहुल खंगार की ओर से रिपोर्ट दी गई है।

मामले में पूछताछ जारी है। मोनू ठेकेदार व रामदेव नेखाड़ी के बीच प्रोपर्टी का विवाद चल रहा है। जिसको लेकर पूर्व में भी नेगाडी के ऊपर हमले की साजिश करते 4 लोगों को गिरफ्तार किया था जिनका संबंध मनोज बेरवा से बताया जाता है उसी का बदला लेने के लिए नेगाड़ी द्वारा 2 शार्प शूटर धीरज व प्रदीप को हरियाणा से हायर किया था।

इसी के चलते आज इस फायरिंग की वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से शहर के लोगों ने राहत की सांस ली है।

बिंदु मिलाकर देखो, मक्खी को जीभ से किसने पकड़ रखा है?

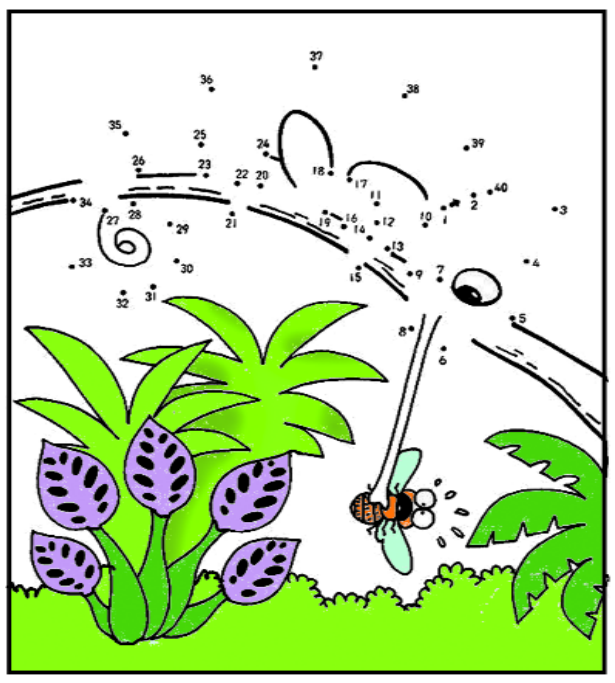

अंतर खोजिए... चित्रकार ने दोनों चित्र बनाते समय कुछ गलतियां छोड़ी हैं, आप बताइए कौनसी हैं?

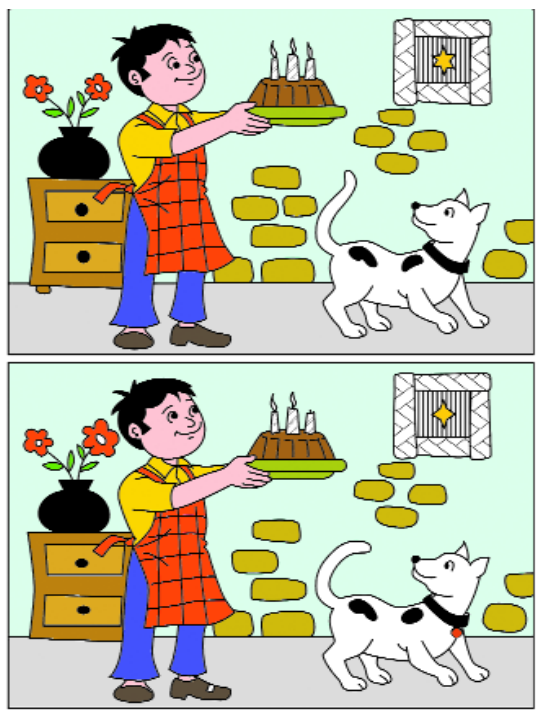

साइड में बने ऑब्जेक्ट्स को चित्र में ढूंढ़िए।

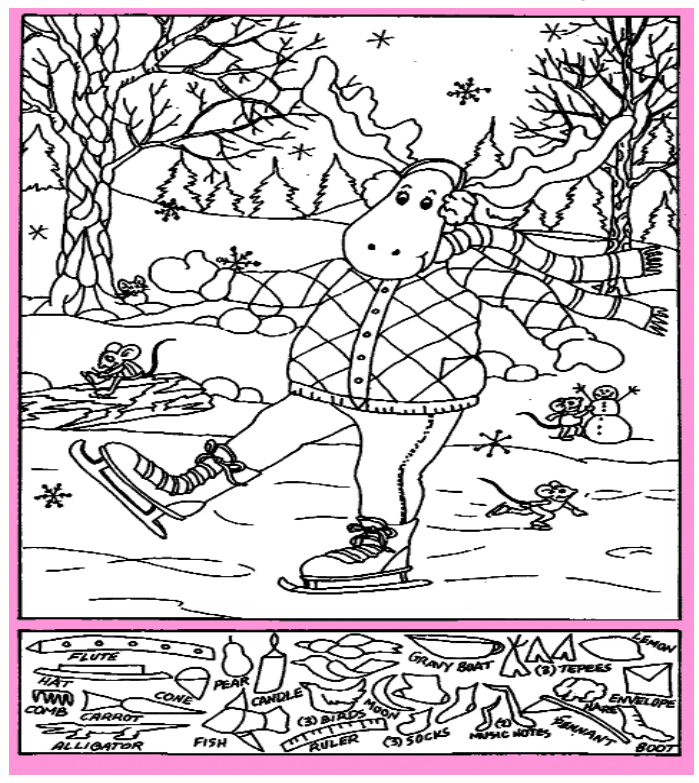

अमेजिंग फैक्ट्स

- बत्तख अपने आधे दिमाग को सुला सकती है, जबकि उसका आधा दिमाग जागा हुआ रह सकता है।
- जापानी लोग नहाने के लिए भी एक ही पानी का उपयोग करते हैं। यानी पेयजल को ही नहाने के उपयोग में लेते हैं।
- स्पेस शटल के मुख्य इंजन का वजन एक ट्रेन के इंजन के वजन का मात्र 1/7 के बराबर होता है। किन्तु वह 39 लोकोमोटिव के बराबर अश्वशक्ति उत्पन्न करता है।
- मच्छर दो फीट प्रति सेकंड की रफ्तार से उड़ते हैं और 40 फीट से ऊपर नहीं उड़ते। ये अपने जन्म स्थान से एक मील तक के एरिया में ही उड़ते हैं।
- ऑस्ट्रेलिया अकेला ऐसा महाद्वीप है, जहां कोई भी एक्टिव ज्वालामुखी नहीं है।
- केकड़े का खून रंगहीन होता है। ऑक्सीजन मिलने के बाद यह नीला हो जाता है।
- मिक्की माउस का नाम इटली में 'टोपोलिनो' है।

बोल-अनमोल

अपनी क्षमताओं को निरंतर बढ़ाते रहो, क्योंकि जो उपलब्धि आज हमने पाई है, उससे कहीं ज्यादा हम पा सकते हैं।

TONGUE TWISTER

- You're behaving like a babbling, bumbling band of baboons.
- Giddy kiddy goat, Giddy kiddy goat, Giddy, giddy, giddy, giddy, giddy, kiddy goat.
- He wanted to desert his dessert in the desert!

पर्यटकों को आकर्षित करते हैं सांची के स्तूप

सांची शहर सम्राट अशोक के युग के बौद्ध स्तूपों के लिए विशेष प्रसिद्ध है। छोटी सी पहाड़ी पर स्थित स्तूप सम्राट अशोक ने बनावाए थे। इन स्तूपों को देखने के लिए सैलानी वर्ष भर यहां आते रहते हैं। यहां की प्राकृतिक छठा भी पर्यटकों को आकर्षित करती है। स्तूप नंबर एक विशाल पत्थरों से बना भारत का प्राचीन स्तूप है। इस स्तूप के चारों ओर जो तोरण द्वार बने हुए हैं। वह बहुत ही अद्भुत हैं। पत्थरों पर बौद्ध कथाओं का अंकन दूसरे बौद्ध स्मारकों के मुकाबले में सांची में सबसे बढ़िया माना जाता है। इस स्तूप के पूर्वी और पश्चिमी द्वारों पर युवा गौतम बुद्ध की आध्यात्मिक यात्रा की अनेक कहानियां अंकित हैं। स्तूप नंबर दो व तीन स्तूप भी बलुआ पत्थर के बने हुए हैं, लेकिन इनके ऊपर की छतरी चिकने पत्थर की बनी हुई है। यहां बने बौद्ध स्तंभ का निर्माण ईसा पूर्व तीसरी सदी में हुआ माना जाता है। यह बड़े स्तूप के दक्षिणी द्वार के निकट स्थित है। सांची के विश्व प्रसिद्ध स्तूपों के अलावा सांची से दस किलोमीटर दूर स्थित सतधारा में कई बौद्ध स्तूप हैं। ये स्तूप सांची की पहाड़ी पर मौजूद स्तूपों से कहीं अधिक आकर्षक लगते हैं। उदयगिरी गुफाओं से लगभग दो किलोमीटर की दूरी पर स्थित हैलियोडोरस स्तंभ भी देखने योग्य हैं। यहां का विजय मंदिर भी अपनी उत्कृष्टता के लिए विख्यात है। विदिशा नगरी में ही कोणार्क के सूर्य मंदिर की शैली पर विशाल विजय मंदिर खुदाई में निकला है। इस मंदिर की सूर्य देवता की प्रतिमा एवं रथ के बड़े-बड़े पहिए-प्रतिमाएं भी सैलानियों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। विदिशा से पैंतीस किलोमीटर दूर स्थित बरगद का पेड़, एशिया का सबसे विशाल वट वृक्ष माना जाता है। यह वट वृक्ष लगभग आधा किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है। इस बरगद के एक सौ आठ तने जमीन पर पसरे हुए हैं।

पिंजौरः यहां देखें प्राकृतिक खूबसूरती

चंडीगढ़ के पास पिंजौर उद्यानों और ऐतिहासिक स्थलों के लिए जाना जाता है। यहां के छोटे-बड़े सुंदर बाग आगन्तुकों के स्वागत के लिए आतुर दिखाई देते हैं। यहां की प्राकृतिक छटा देख सैलानियों का मन यहां बार-बार आने को करता है।यादविंद्र उद्यान पिंजौर का मुख्य आकर्षण है। यह मुगल वास्तुशिल्प का एक अनूठा नमूना माना जाता है। यहां की हरी-भरी मखमली घास व नाना प्रकार के रंग-बिरंगे फूल पर्यटकों को बरबस ही अपनी ओर आकर्षित करते लगते हैं। बाग के मध्य में झरने भी लगे हुए हैं। अलग-अलग इमारतों के बीच बनाई गई नहर भी पर्यटकों का मन मोह लेती है। इस उद्यान में बने शीश महल, रंग महल, जल महल यहां के अन्य आकर्षण हैं। जल से भरे लंबे-चौड़े तालाब व झरने हैं। बाहर के प्राकृतिक नजारों का आनंद रंग महल के झरोखों से लिया जा सकता है। पिंजौर का जू भी देखने योग्य जगह है। यहां के सुंदर रेस्तरां, ओपन एअर थिएटर, जापानी बाग, कैफे आदि जगहों पर सैलानियों की भीड़ देखी जा सकती है। यहां का मौसम सदा सैलानियों के अनुकूल रहता है। प्रकृति की खूबसूरती को निहारते और मुगल कालीन वस्तुओं को देखते हुए निश्चय ही आप मंत्रमुग्ध हो जाएंगे।

मीनाक्षी टेंपल

मदुरई का पुराना शहर सैकड़ों वर्षों से अधिक पुराना है। इसका निर्माण पांडियन राजा कुलशेखर ने छठी शताब्दी में करवाया था। इस नायक का कार्यकाल मदुरई का स्वर्ण युग कहा जाता है, जब कला, वास्तुकला बहुत अधिक फली-फूली। मदुरई शहर के हृदय में स्थित मीनाक्षी मंदिर भगवान शिव की पत्नी देवी मीनाक्षी के प्रति समर्पित है। हिन्दू पौराणिक कथानुसार भगवान शिव सुन्दरेश्वर रूप में अपने गणों के साथ पांड्य राजा मलयध्वज की पुत्री राजकुमारी मीनाक्षी से विवाह रचाने मदुरई नगर आए थे। मीनाक्षी को देवी पार्वती का अवतार माना जाता है। इस मन्दिर को देवी पार्वती के सर्वाधिक पवित्र स्थानों में से एक माना जाता है। यह भारत और विदेश से आने वाले पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र होने के साथ हिन्दू धार्मिक यात्राओं के महत्त्वपूर्ण स्थानों में से एक है। मदुरै के लोगों के लिए यह मंदिर उनकी सांस्कृतिक और धार्मिक जिंदगी का हिस्सा है। तमिलनाडु के सभी प्रमुख त्योहार यहां श्रद्धा के साथ मनाए जाते हैं। इनमें सबसे महत्त्वपूर्ण त्योहार चितराई त्योहार है। जिसका आयोजन अप्रेल-मई में किया जाता है। जब मीनाक्षी और सुंदरेश्वर की खगोलीय विधि से शादी आयोजित की जाती है और पूरे राज्य से लोग इसे देखने आते हैं। शिल्पकारी वाले स्तंभ विशिष्ट भित्ति चित्रों से ढके हुए हैं। यहां बने स्तंभ मीनाक्षी और सुंदरेश्वर के विवाह के दृश्यों से सजे हुए हैं। यहां लगभग 985 समृद्ध पच्चीकारी वाले स्तंभ हैं।

दादा-दादी के साथ भी रहने दें बच्चों को

बचपन को सुखद बनाने में दादा-दादी या नाना-नानी की बड़ी भूमिका होती है। जो बच्चे अपने दादा-दादी के साथ रहते हैं, उनमें एक अलग समझ और विशेष प्रकार की संवेदनाएं विकसित होती हैं। ऐसे बच्चे हमेशा खुश, मिलनसार और चीजों को साझा करने वाले होते हैं। माता-पिता कामकाजी हों, तो दादा-दादी अहम भूमिका निभा सकते हैं। वे न केवल बच्चों की परवरिश में मदद करते हैं, बल्कि आपके बच्चों की सुरक्षा भी करते हैं। उनमें सेवा और अपनों के प्रति लगाव जैसे मानवीय गुणों का विकास करते हैं। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन से पता चला है कि दादा-दादी के संपर्क में रहने वाले बच्चे अकेलेपन, चिंता और अवसाद जैसी समस्याओं से कम पीड़ित हैं। वे हर तरह से जीना सीखते हैं और हर मुश्किल को हल करना जानते हैं। बच्चों के साथ अपने माता-पिता को रखना न केवल आपके बच्चे को खुश और स्वस्थ रखता है, बल्कि यह आपके बूढ़े माता-पिता के लिए भी अच्छा है।

इस पेड़ के तने पर लगते हैं फल

इस पेड़ पर लगने वाले फलों को लोग अक्सर प्लम या लाल अंगूर समझने की गलती कर बैठते हैं, लेकिन ये फल उनसे बिल्कुल अलग हैं। इन फलों के कारण ही लोग इस पेड़ को ब्राजीलियन अंगूर पेड़ कहकर भी बुलाते हैं। इस पेड़ का विकास थोड़ी धीमी गति से होता है। इसलिए लोग इसे बोन्साई के रूप में भी इस्तेमाल करते हैं।

ब्राजील में पाए जाने वाले इस अनोखे पेड़ का नाम जबोटीकाबा है। इसके अतिरिक्त इसे जबोटीकाबेरिया, जबोटीका, ग्वापेरू, शबर, हिवापुरू, यबापुरू आदि नाम से भी जाना जाता है। जबोटीकाबा नाम जबूटी व काबा से मिलकर बना है। जहां जबूटी का अर्थ है कछुआ। काबा का मतलब है, जगह।

इसका अन्य नाम यबापुरू गुआरानी भाषा से लिया गया है। इसका तात्पर्य है, एक ऐसा फल जो काटने पर क्रंची ध्वनि उत्पन्न करे। वैसे यह पेड़ सिर्फ दक्षिणी ब्राजील में ही नहीं, बल्कि अर्जेंटीना, बोलीविया और पराग्वे में भी पाया जाता है। ये पेड़ अमूमन काफी लंबे होते हैं। इनकी ऊंचाई 12 फीट से लेकर 45 फीट तक हो सकती हैं। पेड़ के पत्ते प्रारंभ में सामन्य रंग के होते हैं। जैसे-जैसे इनका विकास होता जाता है। इनका रंग बदलकर

हरा हो जाता है। इसके तने पर सफेद रंग के फूल विकसित होते हैं। वैसे इस पेड़ पर फल व फूल केवल साल में एक या दो बार ही लगते हैं, लेकिन यदि इनकी सही प्रकार से देखभाल की जाए तो यह वर्ष भर अपने फलों व फूलों से महकते रहते हैं। खासकर उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में तो यह पेड़ पूरे साल हरे-भरे रहते हैं। हालांकि यह किसी भी प्रकार की मिट्टी में विकसित हो जाते हैं, लेकिन इनके पूर्ण विकास के लिए इन्हें नम व अम्लीय मिट्टी की आवश्यकता होती है। विकास की धीमी गति के कारण ही पेड़ पर फल लगने में दस से बीस साल तक लग जाते हैं। इसके फलों का व्यास लगभग तीन से चार सेंटीमीटर होता है। इसके अंदर चार बड़े बीज पाए जाते हैं। यह फल सीधे ही पेड़ के तने पर विकसित होते हैं। इससे ये पेड़ अलग ही दिखते हैं और यही फल जबोटीकाबा को दुनिया के अन्य पेड़ों की प्रजाति से अलग बनाता है। यह फल थोड़ा मोटा और इसकी बाहरी स्किन पर्पल रंग की होती हैं। फल के अंदर सफेद या पिंक रंग का मीठा गूदा निकलता है। यह टेस्टी फल ब्राजील के बाजार में आसानी से मिल जाता है। इसकी सेल्फ लाइफ बहुत कम होती है। इसलिए इसे ताजा ही खाया जाता है। वैसे यह फल सिर्फ खाने के ही काम नहीं आता, बल्कि इसके और भी कई औषधीय फायदे हैं। ऐसा माना जाता है कि इसके फल में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी कैंसर गुण होते हैं। इसलिए यह औषधीय गुणों से भरपूर एक रसीला फल है।

पूर्णता का अहंकार

एक बाप ने अपने बेटे को भी मूर्तिकला ही सिखाई, क्योंकि वो खुद भी मूर्ति ही बनाता था। बेटे द्वारा कुछ मूर्तिकला सीख लिए जाने के बाद, अब बाप और बेटे दोनों मूर्तियाँ बनाते और उसे बेचने के लिए हाट जाते एवं अपनी-अपनी मूर्तियाँ बेचकर आते।

बाप की मूर्ति डेढ़-दो रुपए की बिकती पर बेटे की मूर्तियों का मूल्य आठ-दस आने से अधिक न मिलता। हाट से लौटने पर बेटे को पास बिठाकर बाप उसकी मूर्तियों में रही हुई त्रुटियों को समझाता और अगले दिन उन्हें सुधारने के लिए समझाता। लड़का समझदार था, उसने पिता की बातें ध्यान से सुनी और अपनी कला में सुधार करने का प्रयत्न करता रहा।

कुछ समय बाद लड़के की मूर्तियाँ भी डेढ़ रुपए की बिकने लगीं। काफी समय बीत चुका था पर बाप अब भी उसी तरह समझाता और मूर्तियों में रहने वाले दोषों की ओर उसका ध्यान खींचता। बेटे ने और भी अधिक ध्यान दिया तो कला भी अधिक निखरी। मूर्तियाँ अब पाँच-पाँच रुपए की बिकने लगीं। सुधार के लिए समझाने का क्रम बाप ने तब भी बंद न किया। एक दिन बेटे ने झुँझला कर कहा आप तो दोष निकालने की बात बंद ही नहीं करते। मेरी कला अब तो आप से भी अच्छी है, मुझे पाँच रुपए मिलते हैं जबकि आपको दो ही रुपए।! बाप ने कहा 'पुत्र! जब मैं तुम्हारी उम्र का था तब मुझे अपनी कला की पूर्णता का अहंकार हो गया और फिर सुधार की बात सोचना छोड़ दिया। तब से मेरी प्रगति रुक गई और दो रुपए से अधिक मूल्य की मूर्तियाँ न बना सका। मैं चाहता हूँ वह भूल तुम न करो। अपनी त्रुटियों को समझने और सुधारने का क्रम सदा जारी रखो ताकि बहुमूल्य मूर्तियाँ बनाने वाले श्रेष्ठ कलाकारों की श्रेणी में पहुँच सको।'

पेंसिल के छिलकों की पेंटिंग

सामग्रीः रंग-बिरंगी पेंसिल, शार्पनर, ग्लू, ड्रॉइंग शीट, एक्रेलिक कलर।

ड्रॉइंग शीट पर पेंसिल से जो भी चित्र बनाना हो बना लें। रंग-बिरंगी पेंसिल को शार्पनर से छीलें। छिलके टूटने नहीं चाहिए। इन छिलकों को सावधानीपूर्वक चित्र के ऊपर ग्लू से चिपकाते जाएं। बचे हुए भाग पर एक्रेलिक कलर कर दें। इन छिलकों से आप चित्रों की ड्रेसेज, बटरफ्लाइ, मछलियां, फूल, मोर आदि बना सकते हैं। जब अच्छी तरह सूख जाएं, तो इन्हें फ्रेम करवाकर रूम में लगाइए।

ये है पटना

पटना का इतिहास देश के प्राचीन गौरवशाली इतिहासों में एक है। यहां सैलानियों के लिए बहुत कुछ है। किले, महल, बाग-बगीचे, मंदिर, मस्जिद, संग्रहालय आगंतुकों को खूब लुभाते हैं। पटना संग्रहालय में प्रथम विश्व युद्ध के हथियारों, मौर्य और गुप्तकाल की धातु-पत्थर की बनी प्रतिमाओं और प्राचीन मिट्टी के बने शिल्प आदि को संजोकर रखा गया है। संग्रहालय में एक सोलह मीटर लंबे पेड़ का अवशेष भी इसकी विशेषताओं में से एक है। अशोक राजपथ पर स्थित लाइब्रेरी में अरबी और फारसी भाषा की हस्तलिखित पुस्तकें, राजपूत-मुगलों की पेंटिंग्स आदि का संग्रह है। सदाकत आश्रम में भारत के पहले राष्ट्रपति डा. राजेंद्र प्रसाद ने रिटायरमेंट के बाद यहीं पर अपने रहने का ठिकाना बनाया था। तभी से यह आश्रम राष्ट्रीय विश्वविद्यालय बिहार विद्यापीठ के मुख्यालय के रूप में स्थापित है। अगम कुआं बिहार के सबसे ऐतिहासिक और पुरातात्विक अवशेषों में से एक है। इस कुए की गहराई का आज तक किसी को पता नहीं है। स्मृति स्मारक भारत छोड़ो आंदोलन में अपना बलिदान करने वाले की याद में बनाया गया है। पटना की वेली रोड पर स्थित तारामंडल एशिया का सबसे बड़ा तारामंडल है। सबसे ज्यादा पर्यटक यहीं जाना पसंद करते हैं। इसके अलावा यहां एशिया का सबसे लंबा रोड वे ब्रिज गांधी सेतु है। पादरी की हवेली (जहां मदर टेरेसा ने शिक्षा ली थी) और संजय गांधी बायोलोजिकल पार्क हरमिंदर तख्त, नवाब शाहिद का मकबरा सहित अन्य पर्यटक स्थल हैं।

सेहत की बातः सर्दी-जुकाम से बचाएं ये योग-आसन

योग शरीर और मन, दोनों को संतुलित, समन्वित तथा क्रियाशील रखता है। इसका नियमित अभ्यास करने वालों की प्रतिरोधक क्षमता बहुत अधिक होती है, जिस कारण ऐसे लोगों को सर्दी-जुकाम जैसी समस्याओं से दो-चार नहीं होना पड़ता। किंतु जो इसकी चपेट में आ चुके हैं, वे भी यदि थोड़े सुधार के बाद योग का अभ्यास करते हैं तो बहुत जल्दी इस समस्या से उबर जाते हैं।

आसन का अभ्यास

प्रारम्भ में हल्के आसन जैसे सूक्ष्म व्यायाम, पवनमुक्तासन, वज्रासन, शशांकासन, मेरुवक्रासन, धनुरासन, भुजंगासन आदि का अपनी क्षमता को ध्यान में रखते हुए अभ्यास करना चाहिए। जैसे-जैसे शरीर की क्षमता में वृद्धि होती जाए, अभ्यास में सुप्त वज्रासन, ताड़ासन, त्रिकोनासन, अर्धमत्स्येन्द्रासन आदि को जोड़ देना चाहिए। यदि सूर्य नमस्कार का नियमित अभ्यास किया जाए तो सर्दी-जुकाम, खांसी आदि के साथ-साथ अन्य रोगों की आशंका भी कम हो जाती है।

अर्धमत्स्येन्द्रासन की अभ्यास विधि

दोनों पैरों को सामने की ओर फैला कर जमीन पर बैठ जाएं। बाएं पैर को घुटने से मोड़ कर इसकी एड़ी को दाएं नितम्ब के नीचे रखें। अब दाएं पैर को घुटने से मोड़ते हुए इसके घुटने को छाती की तरफ रखें तथा पंजे को बाएं घुटने के पार जमीन पर रखें। इसके बाद बाएं हाथ को दाएं घुटने के पार रखते हुए उसके पंजे को पकड़ने का प्रयास करें। सिर तथा धड़ को यथासंभव दायीं ओर मोड़ें। यह अर्धमत्स्येन्द्रासन की अंतिम अवस्था है। इस स्थिति में आरामदायक अवधि तक रुक कर वापस पूर्व स्थिति में आएं। यही क्रिया दूसरी तरफ भी करें।

प्राणायाम का अभ्यास

सर्दी-खांसी, जुकाम, बुखार (वायरल) आदि के ठीक होने पर सरल कपालभाति तथा नाड़ी शोधन प्राणायाम का अभ्यास करने से कमजोरी, रोग प्रतिरोधक क्षमता, उत्साह एवं स्वास्थ्य में लाभ मिलता है।

नाड़ी शोधन प्राणायाम का अभ्यास

सिद्धासन, पद्मासन या सुखासन में रीढ़, गले व सिर को सीधा कर बैठ जाएं। दायीं नासिका को बंद कर बायीं नासिका से गहरी, धीमी व लम्बी श्वास अंदर लें। उसके बाद बायीं नासिका को बंद कर दायीं नासिका से लम्बी गहरी तथा धीमी प्रश्वास बाहर निकालें। इसके तुरंत बाद इसी नासिका से श्वास लेकर बायीं नासिका से प्रश्वास करें। यह नाड़ी शोधन प्राणायाम की एक आवृत्ति है। इसकी प्रारम्भ में 10 आवृत्तियों का अभ्यास करें। धीरे-धीरे आवृत्तियों की संख्या 24 तक कर लें। योग्य मार्गदर्शन में ही इसका अभ्यास किया जाना चाहिए।

इन बातों पर भी ध्यान दें

० जुकाम, सर्दी तथा वायरल की स्थिति में फल के साथ-साथ हल्का सुपाच्य भोजन लेना चाहिए। यदि तरल आहार लिया जाए तो रोग दो दिन में नियंत्रण में आ जाता है। मौसमी सब्जियों का गरम सूप लें। विटामिन ए और सी युक्त आहार लेना चाहिए।

० जुकाम की अवस्था में धूम्रपान एवं मद्यपान बहुत हानिकारक है। अतः इसे बंद करना ही बेहतर होगा।

० गरम नमकीन पानी के गरारे एवं आराम से लाभ होता है।

(योगाचार्य कौशल कुमार से की गई बातचीत पर आधारित)

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक भानु अरोड़ा के लिए महारानी प्रिंटर्स, 17 माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड, जयपुर से मुद्रित एवं प्लाट नं. 6, विजय नगर, बैनाड़ रोड, जयपुर (राज.) 302012 संपादक - भानु अरोड़ा । मो. 6367718601